●वर्ष : 16 ●अंक : 205 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 16 नवम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के विकास में बाधा उत्पन्न कर रहा है वन विभाग : गडकरी

गढ़चिरौली। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नितिन गडकरी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब गढ़चिरौली महाराष्ट्र का सबसे समृद्ध क्षेत्र बन जाएगा। उन्होंने वन विभाग पर नक्सल प्रभावित जिले के विकास में बाधा उत्पन्न करने का आरोप भी लगाया। गडकरी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के तहत प्रचार के दौरान कहा कि कई लौह अयस्क कंपनियां गढ़चिरौली में काम शुरू कर रही हैं और उन्होंने इन उपक्रमों में नौकरियों में स्थानीय निवासियों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने गढ़चिरौली जिले के आष्टी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी पार्टी बी आर आंबेडकर द्वारा तैयार संविधान में किसी भी बदलाव को मंजूरी नहीं देगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने भाजपा उम्मीदवार मिलिंद नरोटे (आष्टी सीट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) उम्मीदवार बाबाराव आत्राम (अहेरी निर्वाचन क्षेत्र) के लिए प्रचार कर रहे थे। गडकरी ने महाराष्ट्र के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री (1995 से 1999) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इस जिले में किए गए विकास कार्यों को याद किया। नागपुर से लोकसभा सदस्य ने कहा कि 2014 में उनके केंद्रीय मंत्री बनने से पहले गढ़चिरौली में केवल 57 किलोमीटर लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग था, लेकिन अब इसकी लंबाई लगभग 10 गुना बढ़कर 541 किलोमीटर हो गई है।

अब पोर्टल से कर सकेंगे पीएम आवास का आवेदन

1.80 लाख रुपये की मिलेगी सब्सिडी

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री आवास योजना के दूसरे संस्करण की शुरूआत करते हुए केंद्र सरकार ने लाभार्थियों को ब्याज सब्सिडी प्रदान करने के लिए कर्ज देने वाले 147 संस्थानों और बैंकों के साथ समझौते किए हैं। केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने पीएम आवास योजना के घटक इंटरेस्ट सब्सिडी स्कीम पर आयोजित एक राष्ट्रीय वर्कशाप में कहा कि सही लाभार्थियों की पहचान और उन्हें योजना के मुताबिक आवास प्रदान करने के लिए सभी पक्षों को मिलकर कार्य करना होगा। सिस्टम इस तरह होना चाहिए कि घर विहीन लोग इस योजना से लाभान्वित हों और इसमें कोई बाधा नहीं आने पाए।

›› निगरानी रखना होगा आसान

पोर्टल ने आवदेकों के लिए आवेदन की प्रक्रिया को सहज-सरल कर दिया। इसके जरिये आवेदक यह भी जान सकेंगे कि उनके आवेदन की क्या स्थिति है। योजना के क्रियान्वयन से जुड़े सभी पक्ष इसमें अपना-अपना डाटा भी साझा कर सकेंगे। इससे न केवल योजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया तेज होगी, बल्कि केंद्रीय स्तर पर उस पर निगरानी भी रखी जा सकेगी। वर्कशाप में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों समेत 250 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

›› केंद्र ने पोर्टल किया लांच

केंद्र सरकार घर के लिए ब्याज सब्सिडी योजना पर जोर दे रही है, क्योंकि इसके दायरे में अल्प वर्ग आय के अलावा मध्य वर्ग के लोग भी आएंगे। इसके लिए बैंकिंग समुदाय का महत्व सबसे अधिक है। केंद्र सरकार इस योजना का लाभ उठाने वालों को 1.80 लाख रुपये तक की ब्याज सब्सिडी उपलब्ध कराएगी। सरकार ने पीएम आवास योजना के लिए एक पोर्टल भी लांच किया है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा बनाए गए इस पोर्टल के जरिये ही पीएम आवास योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा।

राष्ट्रपति जी का आलेख सभी को पढ़ना चाहिए

बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर पीएम मोदी ने युवाओं से की खास अपील

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर सभी को बधाई दी। राष्ट्रपति मुर्मू ने जयंती के वर्ष भर चलने वाले समारोह की शुरूआत की घोषणा भी की। राष्ट्रपति ने कहा कि सभी साथी नागरिकों की ओर से मैं भगवान बिरसा मुंडा की पवित्र स्मृति को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। राष्ट्रपति ने इसी के साथ दैनिक जागरण में बिरसा मुंडा पर एक आलेख भी लिखा, जिसका जिक्र पीएम मोदी ने भी किया। पीएम मोदी ने कहा भगवान बिरसा मुंडा जी के आदर्श न केवल जनजातीय, बल्कि देश के सभी समुदायों के युवाओं के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी 150वीं जन्म-जयंती पर माननीय राष्ट्रपति जी का ये आलेख हम सभी को जरूर पढ़ना चाहिए

राष्ट्रपति ने और क्या कहा

पोस्ट में मुर्मु ने कहा, "मैं देख रही हूं कि आदिवासी गौरव और संविधान के आदर्शों के लिए पूरे देश में एक नई चेतना फैल रही है। यह चेतना कार्य में परिवर्तित हो रही है। यह भावना आदिवासी समाज सहित पूरे देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव बनेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उलिहातू यात्रा को याद करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, "पिछले साल 'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर मोदी जी ने भी उलिहातू का दौरा किया था और भगवान बिरसा मुंडा का आशीर्वाद लिया था। वह किसी भी प्रधानमंत्री की उलिहातू की पहली यात्रा थी। इससे आदिवासी समाज के लोग बहुत खुश हुए थे। उसी दिन झारखंड से 'पीएम जनजातीय आदिवासी न्याय महा-अभियान' यानी पीएम-जनमन की शुरूआत की गई थी।

आठवीं अनुसूची में 'संथाली' को शामिल करने पर जताई खुशी

संविधान की आठवीं अनुसूची में 'संथाली' को शामिल करने पर राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आदिवासी भाषा 'संथाली' को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के प्रयासों में मैंने भी योगदान दिया है। यह आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के कार्यकाल में संभव हुआ।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

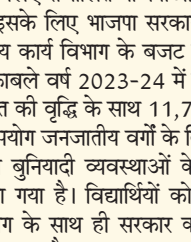

जनजातीय गौरव को बढ़ावा देने में अग्रणी मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश वह राज्य है, जिसकी पहल पर देश को ह्यजनजातीय गौरव दिवस मिला है। यह बात तो हर कोई मानता है कि मध्यप्रदेश की सरकार ने जनजातीय नायकों का गौरव बढ़ाने के लिए उनसे जुड़े स्मारकों का आगे बढ़कर विकास किया है। राजा शंकरशाह और रघुनाथ शाह, रानी कमलापति, रानी दुर्गावती, टंट्या मामा और भीमा नायक से लेकर कई नायकों के योगदान से लोगों को परिचित कराने के उल्लेखनीय कार्य किए हैं। मंडला के मेडिकल कॉलेज का नाम बलिदानी हृदयशाह के नाम पर किया गया। वहीं, छिंडवाड़ा विश्वविद्यालय का नाम राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय किया। हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर ह्यरानी कमलापति रेलवे स्टेशन किया गया। जबलपुर में 100 करोड़ की लागत से रानी दुर्गावती स्मारक को विकसित किया जा रहा है। जनजातीय गौरव को बढ़ाने के साथ ही जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए भी मध्यप्रदेश सरकार ने उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। विगत 20 वर्षों में जनजातीय योजनाओं का बजट 1000 प्रतिशत बढ़ा है। मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जहाँ जनजातीय समुदाय के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए पेसा कानून को लागू किया गया है। जनजातीय समुदाय से आनेवाली पहली महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति में 15 नवंबर, 2022 को मध्यप्रदेश के 20 जिलों के 89 विकासखंडों को पेसा कानून की सौगात मिली। मध्यप्रदेश के बजट का अध्ययन करें तो ध्यान आएगा कि 2003-04 में जनजातीय कार्य विभाग का बजट 746.60 करोड़ रुपये था। जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं को बजट की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए भाजपा सरकार ने सबसे पहला काम यही किया कि जनजातीय कार्य विभाग के बजट में लगातार बढ़ोतरी की। वर्ष 2003-04 के मुकाबले वर्ष 2023-24 में जनजातीय कार्य विभाग का बजट 1000 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,768 करोड़ रुपये का हो गया है। इस बजट का उपयोग जनजातीय वर्गों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, रोजगार एवं अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं के साथ ही विकास कार्यों को गति देने में किया गया है। विद्यार्थियों को शिक्षा के समुचित अवसर एवं आर्थिक सहयोग के साथ ही सरकार की ओर से रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण भी दिलाया जा रहा है।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

ब्रीफ न्यूज

गाइडेड पिनाका प्रणाली का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने गाइडेड पिनाका हथियार प्रणाली के उड़ान का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि उड़ान परीक्षण तीन चरणों में विभिन्न फील्ड फायरिंग रेंज में किए गए । इन परीक्षणों के दौरान कई लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए रेंज, सटीकता और स्थिरता का मूल्यांकन रॉकेटों के व्यापक परीक्षण द्वारा किया गया है। पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम सटीक स्ट्राइक वैरिएंट पूरी तरह से स्वदेशी हथियार प्रणाली है।

पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर को दूसरा वारंट जारी

नई दिल्ली, मालेगांव ब्लास्ट केस में भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सुनवाई के दौरान लगातार कोर्ट से अनुपस्थित रहने के कारण मुंबई की एक स्पेशल अदालत ने प्रज्ञा के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। पिछले एक महीने में स्पेशल अदालत की तरफ से प्रज्ञा के खिलाफ जारी किया गया यह दूसरा वारंट है। विशेष अदालत के जज लोहाटी ने कहा कि पुराने आदेश के बाद भी ठाकुर अदालत में पेश नहीं हुई हैं। इस कारण उनके खिलाफ एक और जमानती वारंट जारी किया जा रहा है।

ट्रक ने 6 लोगों को कुचला, 5 की मौत

पानीपत, हरियाणा के पानीपत शहर में गुरुवार को एक ट्रक ने एलिवेटिड हाईवे पर रॉन्ग साइड में घुसकर मौत का तांडव मचाया। बेकाबू ट्रक ने एक के बाद एक 3 अलग-अलग जगहों पर 6 लोगों को कुचल डाला। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई है। जबकि, एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने ट्रक के ड्राइवर को कुछ दूर जाकर पकड़ लिया है। अब आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है। साथ ही हाईवे पर पड़ी लाशों और घायलों को सिविल अस्पताल पहुंचाया है।

जनजातीय गौरव दिवस समारोह में वर्चुअली शामिल होंगे पीएम

प्रधानमंत्री मोदी मप्र के 2 जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालयों का करेंगे लोकार्पण

● भोपाल

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री होंगे समारोह में शामिल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर शहडोल में आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी छिंदवाड़ा के श्री बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय एवं जबलपुर के राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त, 2016 को देश के विभिन्न प्रदेशों में जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को समर्पित संग्रहालय के निर्माण की घोषणा की गई थी। समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, जनजाति कार्य मंत्री विजय शाह सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग शामिल होंगे।

धार और धरमपुरी के विजन डॉक्युमेंट का विमोचन

राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में धार के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस परिसर में दोपहर एक बजे भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। राज्यपाल और मुख्यमंत्री एफआरए एटलस के साथ धार और धरमपुरी विधानसभा क्षेत्र का विजन डॉक्युमेंट का विमोचन करेंगे। कार्यक्रम में सिकल सेल उन्मूलन 2047 डाक टिकट का विमोचन भी होगा। इस अवसर पर 334.36 करोड़ रुपए लागत के 57 विकास कार्यों भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ और दिव्यांगजन को ट्राइसाइकिल वितरित की जाएंगी। कार्यक्रम में जनजातीय गौरव सांस्कृतिक प्रदर्शनी एवं विभिन्न विभागों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

डोमिनिका मोदी को देगा सर्वोच्च सम्मान

● रोसेउ

कैरेबियाई देश डोमिनिका ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर देने की घोषणा की है। भारतीय प्रधानमंत्री को कोविड-19 महामारी के दौरान डोमिनिका की मदद करने के लिए यह पुरस्कार दिया जा रहा है।

भारत ने फरवरी 2021 में डोमिनिका को एस्ट्राजेनेका कोविड-19 वैक्सीन के 70 हजार डोज भेजे थे। यह वैक्सीन डोमिनिका और उसके पड़ोसी अन्य कैरेबियाई देशों के काम आई थी। भारतीय प्रधानमंत्री के डोमिनिका के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग के लिए यह अवॉर्ड दिया जा रहा है। डोमिनिका के राष्ट्रपति सिलवेनी बर्टन प्रधानमंत्री मोदी को गुयाना में भारत-कैरिकॉम समिट के दौरान यह पुरस्कार देंगे।

मोदी 19 से 21 नवंबर के बीच गुयाना के दौरे पर रहेंगे। रूस ने इसी साल 9 जुलाई को पीएम मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से नवाजा था। वे यह सम्मान पाने वाले भारत के पहले और चौथे गैर-रूसी व्यक्ति बने। अब तक 13 देश पीएम मोदी को सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं।

- कोविड में 70 हजार वैक्सीन भेजी थी
- मोदी को अब तक 14 देशों ने दिया सर्वोच्च सम्मान

आत्महत्या, दुर्घटना या हत्या, पुलिस जांच में जुटी

घर की आग में पति-पत्नी जलकर खाक

दोनों के बिस्तर पर मिले जले हुए शव, बची थी सिर्फ हड्डियां और राख, पूरा कमरा व गृहस्थी का सामान राख के ढेर में हुआ तब्दील

भोपाल मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित जाटखेड़ी इलाके में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात पति-पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दोनों के शव बिस्तर पर जली हुई हालत में पड़े मिले। घटना का खुलासा गुरुवार तड़के उस समय हुआ जब पड़ोसियों ने एक कमरे के घर से धुआं उठता देखा। पड़ोसी जब मौके पर पहुंचे तो बिस्तर पर पति-पत्नी के शव बुरी तरह जली हालत में पड़े दिखे।

शरीर पर मांस पूरी तरह से गायब हो गया है। सिर्फ हड्डियां और राख बची हैं। दोनों को कपड़ों की दो पोटलियों में बांधकर जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बिस्तर के पास ऐसी कोई सी वस्तु रखी थी जिससे घर में आग फैल गई। (शेष पेज 8 पर)

बर्तनों पर पड़े मिले शव

पुलिस ने बताया कि आगजनी में घर में रखे फ्रिज, कूलर व अन्य इलेक्ट्रानिक सामान समेत गृहस्थी का पूरा सामान जलकर खाक हो गया। जिस सिंगल बेड (पेटीनुमा दीवान) पर सतीश व आमृपाली सोए हुए थे, उसका प्लाईबोर्ड भी पूरी जलकर राख हो गया था। प्लाईबोर्ड जलने से दंपति के शव दीवान की पेटी में रखे बर्तनों पर जा गिरे थे। दंपति के शव सोती हालत में मिले हैं।

माता-पिता से चल रही थी अनबन

पुलिस ने बताया कि सतीश और आमृपाली की शादी को करीब तीन साल हो चुके थे। उनकी कोई संतान नहीं थी। इन दिनों सतीश की अपने माता-पिता से घरेलू अनबन चल रही थी। इसी अनबन के चलते उनकी बोलचाल कुछ दिनों से बंद थी। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात किस समय आगजनी की घटना हो गई, इस बात की भनक पड़ोस में रह रहे माता-पिता को तक नहीं लगी।

साझेदारी

रिलायंस, वायकॉम-18 और डिज्नी इंडिया ने किया मर्जर का ऐलान, नीता अंबानी होंगी चेयरपर्सन

देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म बना रिलायंस-डिज्नी

● मुंबई

डिज्नी और रिलायंस एंटरटेनमेंट अब एक हो गए हैं। रिलायंस इंड्रस्ट्री लिमिटेड, वायकॉम-18 और डिज्नी इंडिया ने गुरुवार, 14 नवंबर को इसका ऐलान किया।

इस मर्जर के बाद डिज्नी और रिलायंस देश की सबसे बड़ी एंटरटेनमेंट कंपनी बन गई है। डिज्नी-रिलायंस एंटरटेनमेंट के पास अब 2 ओटीटी और 120 चैनल के साथ 75 करोड़ दर्शक हो गए हैं। रिलायंस ने इस जॉइंट वेंचर के लिए 11,500 करोड़ रुपए का निवेश किया है। दोनों कंपनियों के बीच डील को लेकर पिछले एक साल से बातचीत चल रही थी। दोनों कंपनियों ने अपने जॉइंट स्टेटमेंट में बताया, ये डील 70,352 करोड़ रुपए में हुई है।

मर्जर के बाद बनी कंपनी में रिलायंस की 63.16 प्रतिशत और डिज्नी की 36.84 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। नीता अंबानी इसकी चेयरपर्सन होंगी। इस नई कंपनी की नीता अंबानी इसकी चेयरपर्सन होंगी। वाइस चेयरपर्सन उदय शंकर होंगे। ये कंपनी को स्ट्रैटेजिक गाइडेंस देंगे। रिलायंस भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर कंपनियों में से एक है। इसका मार्केट कैप 17,15,498.91 करोड़ है।

बिजनेस को तीन सीईओ मिलकर करेंगे लीड

इस जॉइंट वेंचर को तीन सीईओ लीड करेंगे। केविन वाज एंटरटेनमेंट ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख होंगे। किरण मणि डिजिटल ऑर्गनाइजेशन की जिम्मेदारी संभालेंगी। संजोग गुप्ता स्पोर्ट ऑर्गनाइजेशन को लीड करेंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा, इस जॉइंट वेंचर के साथ, इंडियन मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री एक ट्रांसफॉर्मेशनल एरा में प्रवेश कर रही है। मैं जॉइंट वेंचर के भविष्य को लेकर बहुत उत्साहित हूं और इसकी कामयाबी की कामना करता हूं।

जॉइंट वेंचर के पास 2 डिजिटल प्लेटफार्म होंगे और 120 चैनल

इस मेगा मर्जर में डिज्नी स्टार के 80 चैनल और रिलायंस वायकॉम-18 के 40 चैनल जुड़ जाएंगे। यानी, कुल 120 चैनल हो जाएंगे। हालांकि इनमें से कुछ चैनल्स को बंद किया जा सकता है। दोनों के पास ओटीटी ऐप भी है- डिज्नी हॉटस्टार और जियो सिनेमा। वायाकॉम 18 के पास बीसीसीआई मैनेज्ड क्रिकेट मैचों के टीवी अधिकार भी हैं, जबकि डिज्नी स्टार के पास 2027 तक आईपीएल ब्रॉडकास्ट करने के टीवी अधिकार हैं। वहीं रिलायंस के पास उसके ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर आईपीएल दिखाने के अधिकार हैं। रिलायंस के न्यूज चैनल्स इस डील का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि वो नेटवर्क 18 ग्रुप के तहत आते हैं। जॉइंट वेंचर को 30,000 से अधिक डिज्नी कंटेंट एसेट के लाइसेंस के साथ भारत में डिज्नी फिल्मों और प्रोडक्शन को डिस्ट्रीब्यूट करने के एक्सक्लूसिव राइट भी दिए जाएंगे।

रायपुर में इंडिगो विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

● रायपुर

यात्रा कर रहे युवक ने कहा- बम है, जेल भेजा गया

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में इंडिगो की फ्लाइट की गुरुवार को इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में 150 से ज्यादा पैसेंजर सवार थे, सभी सुरक्षित हैं।

नागपुर से कोलकाता जा रही फ्लाइट में यात्रा कर रहे युवक ने क्रू मेंबर को बुलाकर बम होने की बात कही थी। युवक को पूछताछ के बाद अब जेल भेज दिया गया है। जब क्रू मेंबर को उसने बम होने की बात कही तो फौरन इसकी सूचना पायलट को दी गई। इसके बाद पायलट ने एटीसी से बात कर रायपुर एयरपोर्ट से संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी, जिसके बाद फ्लाइट को डायवर्ट कर एयरपोर्ट पर उतारा गया। आरोपी नागपुर का रहने वाला है। इससे पहले अक्टूबर में भी 90 से ज्यादा विमानों को बम की धमकी मिली थी। बाद में ये सभी धमकी झूठी साबित हुई।

पंजाब भवन में लगाई जाने लगीं पंजाबी साहित्यकारों की तस्वीरें

नई दिल्ली, नवम्बर : भाषा विभाग द्वारा कुछ समय पहले निर्णय लिया गया था कि दिल्ली स्थित पंजाब भवन में पंजाबी साहित्य, भाषा और चिंतन के प्रमुख सितारों की तस्वीरें लगाई जाएंगी। इसकी पहली किस्त के रूप में आज 10 तस्वीरें पंजाब भवन के ए-ब्लॉक के बरामदों और गैलरीज में लगाई गई हैं। प्रवेश द्वार पर आधुनिक पंजाबी साहित्य के प्रणेता भाई वीर सिंह और प्रसिद्ध पंजाबी लेखिका अमृता प्रीतम की तस्वीरें सुशोभित की गई हैं। पहली मंजिल पर मुख्यमंत्री पंजाब के कार्यालय के पास पंजाबी के तीन प्रमुख कवि-शिव कुमार बटालवी, पाश, और सुरजीत पातर की तस्वीरें लगाई गई हैं। इसी तरह दूसरी मंजिल पर पंजाबी नाटक के पितामह ईश्वर चंद नंदा और पंजाबी कला के शाहजहां डॉ. महिंदर सिंह रंधावा की तस्वीरें लगाई गई हैं। तीसरी मंजिल पर प्रगतिवादी कवि बावा बलवंत, लाल सिंह दिल के साथ-साथ पंजाबी बोली के बेहतरीन कवि फिरोजदीन शरफ साहिब की तस्वीरें लगाई गई हैं। इस मौके पर भाषा विभाग के निदेशक जसवंत सिंह जफर ने बताया कि आने वाले समय में कुल लगभग 100 पंजाबी के दिवंगत कवियों, लेखकों, विचारकों और भाषा कर्मियों की तस्वीरें पंजाब भवन के दोनों ब्लॉकों की सभी मंजिलों पर स्थापित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि पंजाब भवन के प्रवेश द्वार पर भाषा विभाग की प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाने से स्थानीय कार्यालय में पुस्तकों की बिक्री केंद्र में पाठकों की रुचि काफी बढ़ी है और पुस्तकों की बिक्री में भी वृद्धि हुई है। इस मौके पर रैजिडैंट कमिश्नर श्रुति सिंह ने बताया कि पंजाब भवन के कमरों के अंदर भी पंजाब की आत्मा को दर्शाने वाले कला कार्य प्रदर्शित किए जाएंगे। जिस तरह से इन तस्वीरों को लगाने में भाषा विभाग ने उनका सहयोग किया है, उसी तरह वे पंजाब कला परिषद की सेवाएं भी लेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब भवन में स्थित पंजाबी साहित्य केंद्र का रख-रखाव और रूप-संवर्धन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इस मौके पर डिप्टी रैजिडैंट कमिश्नर असीता शर्मा, भाषा विभाग पंजाब के सहायक निदेशक अलोक चावला और स्थानीय कार्यालय की प्रभारी करुणा भी मौजूद थीं।

करोड़ भारतीयों को वित्तीय सुरक्षा देने का लक्ष्य, कस्टमर्स के सहयोग से तैयार हुआ प्रेरणादायक गीत

नई दिल्ली, नवम्बर : फिक्स डिपॉजिट प्लेटफॉर्म स्टेबल मनी ने अपने ब्रांड एंथम कैसा ये सफर को लॉन्च किया है, जिसे कंपनी के ग्राहकों के साथ मिलकर तैयार किया गया है। इस गीत को जयपुर घराने की गीतकार-संगीतकार जोड़ी हर्ष और अविरल ने आवाज दी है। यह प्रोजेक्ट स्टेबल मनी कॉलेब्स पहल का हिस्सा है, जो जीवन की अनिश्चितताओं और वित्तीय तैयारी के महत्व को ग्राहकों के अनुभवों के माध्यम से उजागर करता है। यह एंथम स्टेबल मनी के ग्राहकों के साथ जुड़ने के निरंतर प्रयासों का परिणाम है, जिसमें नियमित फीडबैक कॉल्स के माध्यम से उनकी जरूरतों को समझा गया। स्टेबल मनी के को-फाउंडर सौरभ जैन ने कहा, हमारे ग्राहकों से जुड़ना हमारी नींव है। जब हमें दो प्रतिभाशाली म्यूज़िशियन मिले, जो हमारे प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे थे, तो उनके साथ सहयोग करना स्वाभाविक था। हम असली ग्राहकों की कहानियों को संगीत के माध्यम से ज़िंदा करना चाहते थे। हर्ष ने इसे अप्रत्याशित अनुभव बताते हुए कहा, हमारा संगीत दूसरों को प्रेरित कर सकता है। अविरल ने अपनी यात्रा में इमरजेंसी फंड की अहमियत को साझा करते हुए कहा, ह्यह गाना हमारी अपनी कहानी है। कैसा ये सफर उभरते कलाकारों के साथ साझेदारी की शुरूआत है, जिसका उद्देश्य 2030 तक 10 करोड़ भारतीयों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है।

हरदीप सिंह पुरी ने 12वें सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम शिखर सम्मेलन में भारत के आर्थिक विकास और सतत ऊर्जा के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला

नई दिल्ली, नवम्बर : पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कि भारत अगले पांच वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित 12वें सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (पीएसई) शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री पुरी ने 2014 में एक कमजोर अर्थव्यवस्था से आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के भारत के परिवर्तन पर विचार व्यक्त करते हुए भारत की उल्लेखनीय आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने और सतत ऊर्जा भविष्य को प्रोत्साहित करने में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसई) की भूमिका पर प्रकाश डाला। पुरी ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में भारत का कदम मजबूत सुधारों और इसके सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की प्रतिबद्धता पर आधारित है।

उन्होंने पिछले दशक में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लचीलेपन और प्रदर्शन की प्रशंसा की और कहा कि उनका योगदान भारत की आर्थिक स्थिरता और प्रगति में अभिन्न रहा है। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, अगले कुछ साल भारत की अगली छलांग के लिए जमीनी तैयारी करने में महत्वपूर्ण होंगे। मंत्री ने भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के उल्लेखनीय प्रदर्शन को दर्शाने वाले कई प्रमुख आंकड़े साझा किए। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) की कुल संपत्ति में 82 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो वित्त वर्ष 14 में 9.5 ट्रिलियन रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 23 में 17.33 ट्रिलियन रुपए हो गई है। उत्पाद शुल्क, करों और लाभांश के माध्यम से राष्ट्रीय खजाने में सीपीएसई का योगदान दोगुना से अधिक हो गया है, जो वित्त वर्ष 14 में 2.20 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 23 में 4.58 लाख करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि लाभ अर्जित करने वाले सीपीएसई का शुद्ध लाभ 87 प्रतिशत बढ़ा है, यह वित्त वर्ष 2014 में 1.29 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2023 में 2.41 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी 81 सूचीबद्ध पीएसई का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले एक दशक में पीएसई सूचकांक और बीएसई सेंसेक्स दोनों से आगे निकलकर 225 प्रतिशत बढ़ा है।

43 वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में गोवा पवेलियन में सेल्फी लेते हुए अपनी पारंपरिक वेशभूषा में युवतियां। फोटोः भूपिंदर सिंह

चलचित्र के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों व नशामुक्त जीवन के बारे में दी जानकारी

नरवाना, नवंबर : श्री श्याम बाल वाटिका विद्यालय में बाल दिवस का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर बच्चों की शिक्षा, मनोरंजन और सामाजिक जागरूकता को लेकर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों को प्रेरित करना, नैतिक मूल्यों का विकास करना और उनका रचनात्मकता से परिचय कराना था। उप प्राचार्य आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि छात्रों के लिए ब्रह्मकुमारीज संस्था की ओर से नशामुक्ति पर एक प्रेरणादायक चलचित्र का प्रदर्शन किया गया। इस चलचित्र के माध्यम से बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों और नशामुक्त जीवन के महत्व से परिचित कराया गया। चलचित्र के पश्चात छात्रों व शिक्षकों ने नशा न करने और समाज में इस अभियान को बढ़ावा देने का संकल्प लिया, जिससे सकारात्मक सोच और नई ऊर्जा का संचार हुआ।

छोटे बच्चों के लिए आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता बच्चों का मनमोहक प्रदर्शन बनी। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने चाचा नेहरू, भगत सिंह, रानी लक्ष्मीबाई के रूप में आकर उनके विचारों और योगदान को प्रस्तुत किया।

प्ले स्कूल में छोटे बच्चों के लिए खेल प्रतियोगिता मीट का आयोजन किया गया, जिसमें कई प्रकार की रेस और खेलों का समावेश था। बच्चों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया और उनकी प्रतियोगिता के प्रति लगन देखकर सभी उत्साहित हो उठे। एमजे स्कूल में भी छोटे बच्चों के लिए कई मनोरंजक और शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की गईं। इस अवसर पर शेफाली अरोड़ा और रितु स्टाफ मौजूद रहा।

शिक्षा मन्त्रालय के अवर सचिव सीएसयू के निरीक्षण करते हुए ज्ञान आधारित उपाधि सृजित करने पर बल दिया

दिल्ली, प्रोफेसर अजय कुमार मिश्रा, संयोजक मीडिया प्रकोष्ठ, आईकेएस प्रकोष्ठ व पीआरओ सीएसयू।

दिल्ली। संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने माननीय श्री सुनील कुमार बर्णवाल ,अपर सचिव , उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मन्त्रालय ,भारत सरकार का केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सारस्वत सभागार में मुख्य अतिथि के रुप में स्वागत किया ,जो भारत सरकार की ओर से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के निरीक्षण के लिए आये थे। उन्होंने सीएसयू के निरीक्षण करते हुए ज्ञान आधारित उपाधि सृजित करने पर बल दिया। श्री बर्णवाल ने सीएसयू मुख्यालय , दिल्ली तथा देश भर में अवस्थित इसके परिसरों तथा महाविद्यालयों के अधिकारियों, संकाय सदस्यों , छात्र छात्राओं तथा कर्मचारियों के साथ क्रमशः प्रत्यक्ष और औन लाईन के माध्यम से संवाद करते हुए उनके कार्य प्रगति के मूल्यांकन के साथ संस्कृत विद्या के विविध क्षेत्रों में और कैसे सदुपयोगी बनाया जाय , इसको ले कर अपने महत्त्वपूर्ण विचार को भी साझा करते कहा कि अब दुनिया समझ रही है कि संस्कृत के अन्दर एक अद्भुत इंटर्नल स्ट्रेंथ है , उसको दुनिया के सामने उजागर करने का समय आ गया है और इसके वैश्विक भविष्योन्मुखी महत्त्व और उसके ऊर्जा को प्रकाश में लाने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली की भी प्रशंसनीय भूमिका होनी चाहिए । अपर सचिव श्री बर्णवाल ने सहर्ष यह भी कहा कि आज इस विश्वविद्यालय में आना इसलिए भी बहुत ही सार्थक माना जा सकता है , क्योंकि यह विश्वविद्यालय संस्कृत के चतुर्दिक विकास में अच्छा कार्य कर रहा है । लेकिन साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय को उपाधिजनित पाठ्यक्रमों की अपेक्षा ज्ञानाधृत पाठ्यक्रमों के निर्माण तथा उनके सार्थक क्रियान्वयन पर अधिक बल दिया जाना चाहिए जिसके मूल में संस्कृत ही अधिक निकट दिखती है और आगे कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य भी ज्ञानपरक शिक्षा को बढ़ावा देना है । उन्होंने सीएसयू को ए ++ केन्द्रीय विश्वविद्यालयों से आकादमिक समझौता करने की बात पर बल देते यह भी कहा कि इसके अन्तर्गत छात्र छात्राओं के परस्पर विश्वविद्यालयों में स्थानान्तरण तथा क्रेडिट आदान प्रधान की भी समुचित व्यवस्था तथा सुविधा होनी चाहिए । कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अपर सचिव श्री बर्नवाल जी को उनके महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए अपने पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अतीत तथा वर्तमान के साथ साथ इसके भविष्योन्मुखी योजनाएं को भी प्रस्तुत किया और कहा कि संस्कृत को जब क्लासिकल भाषा कही जाती है ,तो अनायास इसको लेकर मात्र एक पारम्परिक छवि मन में उभरती है । लेकिन सच तो यह है कि संस्कृत दुनिया के लिए भविष्य की भाषा है । प्रो वरखेड़ी ने यह भी कहा कि संस्कृत भाषा शिक्षण को लेकर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय देश के 10 आईआईटी में इससे जुड़े कार्यक्रम का श्रीगणेश किया है । साथ ही साथ यह भी कहा कि यदि शिक्षा मन्त्रालय,भारत सरकार, आईएमएस जैसी संस्थानों से संस्कृत तथा प्रबंधन को लेकर पाठ्यक्रमों को आरंभ करने का प्रश्रय देता है, तो संस्कृत को एक और नवाचारी अवसर मिलेगा । केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा विश्व संस्कृत ओल्मपियाड को आयोजित किये जाने पर अपर सचिव श्री बर्नवाल जी द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा किये जाने पर प्रो वरखेड़ी ने उनसे यह भी आग्रह किया कि यदि भारत सरकार इसके आयोजन में सीबीएसई की सहभागिता में भाग लेने के लिए उन्मुख करे, तो इसका आयोजन और व्यापक हो सकता है । प्रो आर .जी. मुरली कृष्ण, कुलसचिव ने मुख्य अतिथि का वाचिक स्वागत करते उनके शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा आकादमिक प्रशासन की गुणवत्ता पर भी प्रकाश डाला । प्रभारी रिक्रूटमेंट सेल ,प्रो कुलदीप शर्मा तथा प्रो पवन कुमार, परीक्षा नियन्त्रक ने क्रमशः मंच का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन किया।

दिल थाम कर देखेंगे फिल्म के एक्शन सींस

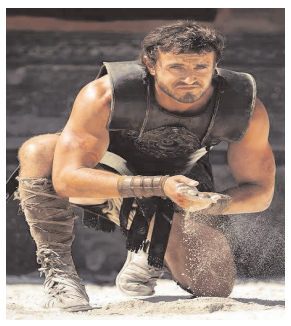

दिल्ली। मुझे आज भी याद है जब मैं करीब 24 साल पहले इस फिल्म के पहले पार्ट का रिव्यू करने नजदीकी मल्टीप्लेकस गया था, हॉल पूरी तरह भरा हुआ था तो अगले दोनो शो भी एडवांस में ही फुल थे, यही नजारा इस बार फिर नजर आया जब पॉल मेस्कल के फैंस अपने चहेते हीरो की फिल्म देखने अपने फ्रेंड फैमिली के साथ सिनेमा आए 'इस फिल्म को देखते हुए मेरे दिल में भी एक बार फिर से खुशी थी कि पिछली फिल्म ग्लेडिएटर की जबरदस्त कामयाबी के बाद मैं फिर से पॉल मेस्कल की फिल्म देखने के साथ ग्लेडिएटर 2 का रिव्यू करने आया हूं। एक बार फिर इस फिल्म में पॉल ने अपना दमदार अभिनय तो दिखाया ही साथ ही पॉल के दिल थाम कर देखने वाले एक्शन सींस को देख यह यह एक्शन पिछली फिल्म से कहीं ज्यादा है तो फिल्म में एंटरटेनमेंट का भी फुल तड़का है। करीब 150 मिनट अवधि की इस फिल्म में जॉनर एक्शन और एडवेंचर भी कम नहीं है। इस फिल्म के डॉयरेक्टर रीडली स्कॉट है जिन्होंने पिछले साल आई फिल्म नेपोलियन का निर्देशन किया यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। फिल्म की कहानी की बात करें तो यह फिल्म योद्धा मैक्सिमस और उसके बेटे के इर्द-गिर्द घूमती है जिसका नाम लूसीयस है इस फिल्म मेवलूसीयस का किरदार पॉल मेस्कल ने निभाया है बेटा भी अपने पिता की तरह ही एक शक्तिशाली योद्धा है जो रोम के अत्याचारी शासको के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है इस युद्ध में उसकी पत्नी अरिष्ट भी उसका साथ देती है जो खुद भी एक अच्छी योद्धा है। फिल्म में अरिष्ट का किरदार कोनी ने जानदार ढंग से निभाया है। फिल्म की कहानी में ट्विस्ट उस वक्त आता है जब लूसीयस लड़ते-लड़ते ग्लेडिएटर का रूप धारण कर लेता है, अब देखना यह है कि लूसीयस रोम के अत्याचारों से वह कैसे लड़ता है और इस युद्ध का क्या परिणाम होता है। एक नजर में मेरी नजर में फिल्म केवसभी एक्शन सीक्वेंस कमाल के हैं। फिर चाहे बात करे वारियर योद्धाओं के गेटअप की या फिर खून खराबी की सभी सीन आपकी चौंका देंगे इस फिल्म की सिनेमैटोग्राफी बेहतरीन है, जो पुराने माहौल के युद्ध वातावरण को बखूबी रियलिटी से रूबरू कराता है। फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक गजब है और हर एक सीन में जान डालने का काम करता है। यह फिल्म पिछली फिल्म से काफी बेहतर है इस बार स्टोरी को ज्यादा डेवलप किया गया है। हालांकि फिल्म थोड़ी लंबी जरूर है पर यह आपका मनोरंजन करने में कोई कसर नहीं छोड़ती। ओवर ऑल अगर आप अच्छी कहानी और जबरदस्त एक्शन के शौकीन है और इस फिल्म का पहला पार्ट देखा है तो इस फिल्म को मिस न करे और अपने फ्रेंड्स फेमिली के साथ इस फिल्म को देखे फिल्म फुल पैसा वसूल है।

दिल्ली में प्रदूषण रोकथान के लिए सरकारी दफ्तरों के कामकाज के समय में हुआ बदलाव-सीएम आतिशी

नई दिल्ली। 15 नवंबर में प्रदूषण रोकथान के लिए सरकारी दफ्तरों के कामकाज के समय में बदलाव किया गया है। सड़कों पर ट्रैफिक और उससे होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली में सभी सरकारी कार्यालय, दिल्ली सरकार,नगर निगम और केंद्र सरकार के कार्यालयों के कामकाज के समय में बदलाव किया गया है। इस बाबत सीएम आतिशी ने अपने एक्स(ट्विटर) हैंडल पर पोस्ट करते हुए साझा किया कि, "सड़कों से ट्रैफिक और उससे होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए, दिल्ली भर के सरकारी कार्यालय अलग-अलग समय पर काम करेंगे। 1. दिल्ली नगर निगमः सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक। 2. केंद्र सरकारः सुबह 9 बजे से शाम 5:30 बजे तक। 3. दिल्ली सरकारः सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक।" दिल्ली सरकार के इस कदम से अलग-अलग समय पर कार्यालय खुलने और बंद होने से सुबह और शाम के पीक आवर्स के दौरान ट्रैफिक का दबाव कम होगा और ट्रैफिक न होने के कारण इससे होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी। बता दे कि, दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए बुधवार से ग्रैप-3 की पाबंदियां लगाई गई है। इसी के तहत दिल्ली में सरकारी दफ्तरों के कामकाज के समय में बदलाव किया गया है।

नई व्यवस्था के अनुसार सरकारी दफ्तरों का कामकाजः

1. दिल्ली नगर निगम (एमसीडी): सुबह 8:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक।
2. केंद्र सरकार के कार्यालयः सुबह 9:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक।
3. दिल्ली सरकार के कार्यालयः सुबह 10:00 बजे से शाम 6:30 बजे तक।

एसएमबीएस, जामिया हमदर्द के प्रबंधन विभाग ने स्थिरता और डिजिटलीकरण 2024 (आईसीएसडी-2024) पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया

नई दिल्ली। 14 नवंबर, 2024: एसएमबीएस, जामिया हमदर्द के प्रबंधन विभाग ने 12-13 नवंबर, 2024 को हमदर्द कन्वेंशन सेंटर, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में स्थिरता और डिजिटलीकरण (आईसीएसडी 2024) पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। सम्मेलन में प्रतिष्ठित विद्वानों, उद्योग जगत के नेताओं और विशेषज्ञों ने स्थिरता और डिजिटल परिवर्तन में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। सम्मेलन का आयोजन जामिया हमदर्द के प्रबंधन विभाग के संयोजक डॉ. असद अहमद और डॉ. मोहम्मद जमशेद ने किया। सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री सौरभ भारद्वाज, माननीय कैबिनेट मंत्री, दिल्ली सरकार ने भविष्य के लिए स्थायी समाधान तैयार करने में डिजिटल नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका पर बात की। जामिया हमदर्द में विभागाध्यक्ष प्रो. सना बेग ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में स्थिरता और डिजिटलीकरण के महत्व पर जोर दिया। मणिपुर विश्वविद्यालय के विशिष्ट अतिथि प्रो. चौ. इबोहाल मीतेई ने थीम संबोधन दिया। एसएमबीएस के डीन प्रो. सैयद नदीमुल हक ने स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सत्र के विशिष्ट अतिथि तेलंगाना लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. अमीर उल्लाह खान, बिमटेक के प्रो. के.के. उपाध्याय, आईआईएम काशीपुर के प्रो. बहारुल इस्लाम और मुख्य वक्ता आईआईएम लखनऊ के प्रो. एम. अकबर ने अतिथि संबोधन दिए, जिन्होंने टिकाऊ व्यावसायिक प्रथाओं को बढ़ावा देने में एआई, मशीन लर्निंग और बिग डेटा जैसी डिजिटल तकनीकों की भूमिका पर चर्चा की। सत्र का समापन जामिया हमदर्द के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) एम. अफशार आलम के अध्यक्षीय भाषण के साथ हुआ, जिन्होंने अंतःविषय अनुसंधान के महत्व और स्थिरता और डिजिटल परिवर्तन की दबावपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए निरंतर सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र के बाद, सम्मेलन में "भविष्य की दिशा तय करनाः वैश्विक प्रभाव के लिए डिजिटल नवाचार के साथ स्थिरता को एकीकृत करना" विषय पर निदेशक की चर्चा जारी रही, जिसका संचालन प्रो. मोहम्मद शाहनवाज अब्दिन ने किया। इस सत्र में उद्योग जगत के नेताओं ने हिस्सा लिया, जिनमें मैत्री एक्वाटेक प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री असीम कुमार, यूनिलीवर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुश्री ईशा सक्सेना, नारनिक्स टेक्नोलैब्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री एन. किशोर नारंग और हमदर्द लैबोरेटरीज इंडिया के मुख्य बिक्री एवं विपणन अधिकारी श्री मंसूर अली, इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर रिसर्च के सीईओ श्री आलोक के. बरारा और अल्लाना संस प्राइवेट लिमिटेड के एसोसिएट निदेशक श्री जुनैद खान शामिल थे। चर्चा इस बात पर केंद्रित थी कि कैसे डिजिटल नवाचार स्थिरता के लिए व्यावसायिक प्रथाओं को नया रूप दे रहे हैं।

भारत में मुसलमान न्याय, संयम और शांति की आवाज बनें: अमीर जमाअत-ए- इस्लामी हिन्द

हैदराबाद, नवंबर 15: यहां के पहाड़ी शरीफ स्थितवादी-ए-हुदा मैदान में आयोजित राष्ट्रीय सदस्य सम्मेलन (इज्तेमा-ए-अर्कान) में 15,000 से अधिक सदस्यों को संबोधित करते हुए जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द के अमीर (अध्यक्ष) सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने समाज में न्याय और संयम की आवश्यकता और महत्व पर जोर दिया। आज की वैश्विक नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों और संकटों पर विचार प्रकट करते हुए उन्होंने जमाअत के कैडर और मुस्लिम समुदाय से आगे आने और न्याय और समानता के दीप प्रज्वलित करने का आग्रह किया। सदस्यों को उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि, "शांति और न्याय पूर्ण समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें उच्च नैतिक चरित्र की आवश्यकता है। यह सभा हमारे उद्देश्य के प्रतिह मारी सामूहि कप्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।"सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने कहा कि "यह सम्मेलन अनुभवों को साझा करने, त्याग, अनुशासन, सामूहिक उत्साह और नैतिक शक्ति को सुदृढ़ करने का एक मंच है। इस्लाम और उसकी शिक्षाओं पर व्यापक चर्चा और वाद हमारे लिए एक सुनहरा अवसर प्रस्तुत करती है। हमें इस माहौल का उपयोग जनमत को सही दिशा में आकार देने के लिए करना चाहिए।"उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जब संयम का निश्चित मार्ग त्याग दिया जाता है।

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर सीएम आतिशी ने रकाबगंज गुरुद्वारा में दिल्लीवालों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की

नई दिल्ली। 15 नवंबर श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने गुरुवार को श्री रकाबगंज साहिब गुरुद्वारा में मत्था टेक दिल्लीवालों की खुशहाली के लिए आशीर्वाद लिया। इस मौके पर सीएम आतिशी ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को रुमाला साहिब भी भेंट किया और संगत के साथ कीर्तन में शामिल हुई। इस मौके पर सीएम आतिशी ने गुरुपर्व के पावन मौके की बधाइयां देते हुए कहा कि, "श्री गुरु नानक देव जी सैकड़ों साल पहले इस धरती पर आए लेकिन तब उन्होंने प्रेम, भाईचारा और बराबरी का जो सन्देश दिया वो आज के दौर में और भी ज्यादा जरुरी है सीएम आतिशी ने कहा कि, श्री गुरु नानक देव जी ने हम सभी को बराबरी का रास्ता सिखायो उन्होंने सिखाया की कोई छोटा या बड़ा नहीं होता, सभी इंसान बराबर है। उन्होंने कहा कि, "आज के दौर में हम सभी श्री गुरु नानक देव जी के दिखाए रास्ते पर चले तो भारत को आगे बढ़ने से और दुनिया का नंबर. 1 देश बनने से कोई नहीं रोक सकता है। सीएम आतिशी ने अपने एक्स(ट्विटर) हैंडल पर साझा किया कि, "धन धन श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर गुरुद्वारा श्री रकाबगंज साहिब में जाकर गुरु साहिब से दिल्लीवालों की खुशहाली के लिए आशीर्वाद लिया।

गुरु नानक जयंती पर सिख समाज द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को नगर में गुरु नानक जयंती के उपलक्ष में सिख समाज द्वारा नगर के गुरुद्वारे से प्रभात फेरी निकाली गई जो नगर के गुरुद्वारे से प्रारंभ होकर विभिन्न मोहल्लों से होती हुई वापस गुरुद्वारे पर जाकर संपन्न हुई, इस बीच रागी जत्थे द्वारा गुरु नानक जी के प्रकाश पर्व पर भजन गए गए वहीं प्रभात फेरी का जगह-जगह लोगों द्वारा पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया, बता ते चले कि प्रत्येक वर्ष कार्तिक पूर्णमासी पर गुरु नानक जी की जयंती प्रकाश पर्व के रूप में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई जाती है इस दिन गुरुद्वारों को विशेष रूप से सजाया जाता है तथा लंगर, भंडारे एवं भजन कीर्तन, शबद कीर्तन आदि का आयोजन किया जाता है इसी क्रम में शुक्रवार को नगर के सिख समाज द्वारा प्रभात फेरी वह भंडारे आदि का आयोजन किया गया, वही प्रभात फेरी की समाप्ति के उपरांत गुरु का लंगर छकाया गया जिसमें सैकड़ो लोगों ने गुरु का लंगर ग्रहण किया, इस मौके पर सिख समाज से वरिष्ठ व्यापारी महेंद्र चावला ने गुरु नानक जयंती के उपलक्ष में प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरु नानक जी का प्रकाश पर्व हर वर्ष कार्तिक पूर्णमासी को मनाया जाता है क्योंकि गुरु नानक जी ने आजीवन समाज को ज्ञान, शिक्षा और समाज सेवा के प्रति जागरूक किया तथा आपसी भाईचारे को बढ़ावा दिया इस कारण गुरु नानक जी का प्रकाश पर हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा को मनाया जाता है, इस मौके पर मुख्य रूप से महेंद्र चावला, हरजीत चावला, सुरजीत सिंह, राजा, टिटे,मोंटी बबीता, एकता, लवकेश महंत,देव महंत हरि सहित भारी संख्या में सिख समाज के लोग मौजूद रहे।

चेयरमैन राजपाल सैनी ने सूर्यवंशी सैनी सभा के साथ किया खिचड़ी का वितरण

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को हसनपुर तहसील क्षेत्र के मां पुष्पावती गंगा धाम पर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने सूर्यवंशी सैनी सभा द्वारा लगाए गए सेवा शिविर में पहुंचकर शिविर का फीता काट कर शुभारंभ किया, वहीं शिविर में आए लोगों को खिचड़ी के प्रसाद का वितरण भी किया, इस मौके पर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने कहा कि महाराज सुरसैन जी के द्वारा हमेशा लोगों की सेवा की गई थी वह आज भी उनके अनुयाई सैनी समाज के लोग उनकी शिक्षा को अपने जीवन में उतारते हुए उनके पद चिन्न पर चलते हुए समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, उन्होंने सभी से बढ़-चढ़कर लोगों की सेवा करने का आवाहन किया इस मौके पर मुख्य रूप से आदर्श नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजपाल सैनी, नगर स्वच्छता प्रेरक प्रशांत सैनी, सभासद राहुल सैनी, राजपाल सैनी, इशांत सैनी, सौरभ सैनी, पुरन सिंह आदि सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज सेवा समिति द्वारा मां पुष्पावती गंगा घाट पर किया गया भंडारे का आयोजन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान पर्व पर मां पुष्पावती पूठ घाट पर गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज सेवा समिति हसनपुर के द्वारा रात्रि भंडारा व गंगा मैया व गुरु रविदास महाराज जी का जागरण व श्रद्धालुओं के लिए रात्रि विश्राम, सुबह चाय वितरण व खिचड़ी भंडारे का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ प्रोफेसर आशीष कुमार , राहुल सागर, राजीव कुमार,मा धर्मेन्द्र के द्वारा किया गया, वहीं इस मौके पर सेवा समिति द्वारा सभी को संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया, इस मौके पर समिति के कोषाध्यक्ष मनोज कुमार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और सभी से सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की, वही इस मौके पर मुख्य रूप से रविदास महाराज सेवा समिति संस्थापक पं धर्मवीर जाटव, कमेटी अध्यक्ष फतेहचंद, कमेटी संयोजक व कोषाध्यक्ष मनोज कुमार, सलाहकार अंकुर सेठी लेखपाल, दिनेश कुमार जेसीबी, आशाराम , प्रीतमसिंह मौर्य, मा राजीव कुमार, कुलवंत सिंह, डा विद्दू सागर, शेर सिंह ,भोला जाटव,कलुवा सिंह, अमित कुमार, दीपू आदि सहित भारी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में शातिर अभियुक्त भेजे गए सलाखों के पीछे

लोकतंत्र की शान/ कौशल रस्तोगी

लखनऊ। आज दिनांक 15/11/2024 को थाना गाजीपुर व डीसीपी उत्तरी क्राइम / सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम के प्रयास से सूचना प्राप्त हुई कि एक टेम्पो से तीन संदिग्ध व्यक्ति इंदिरानगर में घूम रहे है और जो दिनभर बंद मकानों की रेकी कर रहे हैं एवं रात में सेंध मारी कर चोरी कर सकते है। दो ऐसी ही चोरिया में उक्त टेम्पो का इस्तेमाल किया गया है। सूचना पर विश्वास कर पुलिस टीम बताये गये स्थान कल्याण अपार्टमेंट के पास बंधा रोड पर पहुंची तो दूर से उक्त टेम्पो खड़ा दिखाई दिया जिसमे तीन व्यक्ति मौजूद थे।पुलिस टीम को देखकर टेम्पो में मौजूद व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगे। जिस पर पुलिस टीम द्वारा एक बारगी दबिश देकर टेम्पो में बैठे तीनो व्यक्तियों को पकड़ लिया गया।तलाशी लेने पर पहले व्यक्ति जो ड्राईवर सीट पर बैठा था उसने अपना नाम विमलेश कुमार लोधी पुत्र गंगा प्रसाद नि०ग्राम सैरौती थाना सोहरामऊ जनपद उन्नाव उम्र 33 वर्ष बताया जिसके कब्जे से एक मोबाईल, एक अदद देशी तमंचा 12 बोर तथा 1280 रुपये नकद बरामद हुए एवं टैम्पो में आगे की तरफ रखे एक बैग से तीन अदद सब्बल बरामद हुई, दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम राहुल गुप्ता पुत्र महेश गुप्ता नि० ग्राम जराहरा थाना इंदिरानगर उम्र 35 वर्ष बताया जिसके कब्जे से 01 अदद देशी तमंचा 315 बोर जिसके नाल में फंसा हुआ एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ तथा 3300/- रुपये नकद व टूटी स्क्रीन का मोबाईल फोन, एक अदद पंजाब नॅशनल बैंक का एटीएम कार्ड, एक न्यूज टुडे का राहुल नाम का विजिटिंग कार्ड व राहुल गुप्ता नाम का ही आधार कार्ड बरामद हुआ। तीसरे व्यक्ति ने अपना नाम अभिषेक सिंह उर्फ मोनू पुत्र बचान सिंह निवासी ग्राम मामपुर बाना थाना बक्शी का तालाब जनपद लखनऊ उम्र 28 वर्ष बताया। जिसके कब्जे से एक अदद देशी तमंचा 315 बोर, 2250/- रुपये नकद, दो मोबाईल बरामद हुए।इसके अतिरिक्त टेम्पो के अंदर सीट के पीछे की तरफ रखी हुई तीन मूर्तिया जिसमे सफेद मटमैली धातु की श्री कृष्ण की मूर्ति, एक पीली मटमैली धातु की बुद्ध की मूर्ति, एक मटमैली पीली धातु की साई भगवान की मूर्ति बरामद हुई। उपरोक्त व्यक्तियों ने पूछताछ करने पर बताया कि हम लोग इसी ऑटो से दिन भर घूम घूम कर बंद मकानों की रेकी करते है और रात में उन मकानों में चोरी कर लेते है, ताला लोहे की अलमारी/ग्रिल तोड़ने के लिए इन औजारों का इस्तेमाल करते है साथ में कभी पकडे जाने पर सुरक्षा के लिए इन अवैध तमंचो को साथ लेकर डराने धमकाने के लिए भागने में सहायता प्राप्त करने के लिए करते है। शक के आधार पर टेम्पो की सघन तलाशी लेने पर ड्राइवर सीट के नीचे रखी काली पन्नी से सफेद व पीली धातु, ताम्र व पीली धातु के वर्तन व जेवर बरादम हुए। इसके अतिरिक्त टेम्पो से दो पीले रंग की नंबर प्लेट भी मिली।

व्यापारी सुरक्षा फोरम के पदाधिकारीयो ने परिवार सहित किया गंगा स्नान, कि सुख शांति की कामना

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को मां पुष्पावती गंगा घाट पर लाखों की संख्या में पहुंचे सनातन धर्म के लोगों ने गंगा मां के पवित्र जल में स्नान कर धर्म लाभ कमाया, वही व्यापारी सुरक्षा फोरम के पदाधिकारीयो ने भी अपने परिजनों व मित्रों सहित गंगा में स्नान कर देश व समाज में सुख शांति की कामना की वह व्यापारियों की सुरक्षा व तरक्की के लिए मां गंगा से प्रार्थना की, इस मौके पर पहुंचे श्रद्धालुओं ने मां गंगा के घाट पर स्नान किया व दान पुण्य आदि कर धर्म लाभ कमाया साथ ही मीना बाजार आदि में खरीदारी भी की, व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के जिला संगठन मंत्री सचिन गुप्ता ने बताया कि हमारे देश में रोजाना सनातन धर्म के लोगों द्वारा धार्मिक अनुष्ठान किए जाते रहते हैं लेकिन गंगा स्नान एक ऐसा स्नान है एक ऐसा धार्मिक अनुष्ठान है जिसमें गंगा मां के पवित्र जल में स्नान कर ने से मन और आत्मा शुद्ध हो जाती है अतः हमें जीवन में धार्मिक अनुष्ठान, स्नान, दान अवश्य करने चाहिए, इस मौके पर मुख्य रूप से व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के जिला संगठन मंत्री सचिन गुप्ता, हसनपुर नगर अध्यक्ष तरुण अग्रवाल, लवकेश अग्रवाल, मोहित शर्मा, सौरभ गुप्ता, विपुल अग्रवाल आदि सहित परिजन मौजूद रहे।

हमारी विरासत राम मंदिर तो सपा की खान मुबारक, अतीक और मुख्तार: सीएम योगी

लखनऊ, 15 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों से बिना रुके, हटे, डिगे देश की सुरक्षा, गरीब कल्याण, इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट और विरासत का सम्मान हो रहा है, जबकि वर्ष 2014 से पहले इंडी गठबंधन के लोग राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ और विरासत का अपमान करते थे। प्रदेश में विकास के बड़े-बड़े कार्य हो रहे हैं तो विरासत का सम्मान भी हो रहा है। आज अयोध्या में दिव्य, भव्य राम मंदिर में रामलला विराजमान हो गये हैं, जिसे देख हर देशवासी गौरवान्वित महसूस कर रहा है। यह हमारी विरासत है। इस विरासत का सपा के लोगों ने हमेशा अपमान किया है। इनकी वास्तविक विरासत खान मुबारक, अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी हैं। अंबेडकरनगर की धरती पर डॉक्टर लोहिया का जन्म हुआ था, लेकिन समाजवादी पार्टी डॉ. लोहिया और आचार्य नरेंद्र देव के मूल्यों और आदर्शों से भटक चुकी है। यही वजह है कि ये महाराजा सुहेलदेव के स्मारक पर नहीं जाते हैं, क्योंकि इन्हे मुस्लिम वोट बैंक खिसकने का भय है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा उपचुनाव रैली को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा उपचुनाव की रैली में अंबेडकरनगर के कटेहरी विधानसभा के प्रत्याशी धर्मराज निषाद और मीरजापुर के मझवां विधानसभा के प्रत्याशी सुचिस्मिता मौर्य के पक्ष में वोट की अपील की। इस अवसर पर मंत्री स्वत्रंतदेव सिंह, ओम प्रकाश राजभर, संजय निषाद, दयाशंकर मिश्र दयालु, विधान परिषद सदस्य डॉ. धमेंद्र सिंह, मंत्री अनिल राजभर, आशीष पटेल, रामकेश निषाद, सांसद विनोद बिंद आदि उपस्थित थे।

स्नान के लिए 'असुरक्षित' गंगाजल पीएम के प्रयासों से आचमन योग्य बना : योगी आदित्यनाथ

वाराणसी, 15 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नमो घाट के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि वे देव दीपावली के इस अद्वितीय पर्व के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने गुरुनानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजाति गौरव दिवस की सभी को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने काशी के विकास की सराहना करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में काशी ने अपने रूप और पहचान में अद्भुत बदलाव को देखा है। पहले जहां गंगा के जल को स्नान के लिए भी असुरक्षित माना जाता था, वहीं आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नमामी गंगे परियोजना के तहत किए गए प्रयासों के कारण जल आचमन के योग्य हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिसे 'नमो घाट' के रूप में जाना जाता है, उसे काशी की जनता 'नरेन्द्र मोदी घाट' कहकर प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपना आभार प्रकट करती है। इस दौरान उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बतौर मुख्य अतिथि समारोह में मौजूद रहे।

देश का सबसे लंबा और खूबसूरत घाट है 'नमो घाट'

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से काशी की पहचान अब उसके स्वच्छ और सुंदर घाटों, विश्वनाथ धाम, चौड़ी फोर लेन और सिक्स लेन सड़कों, उत्कृष्ट ट्रेन कनेक्टिविटी और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसी तमाम परियोजनाओं से होती है। उन्होंने विशेष रूप से नमो घाट का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक घाट नहीं है बल्कि एक अद्वितीय स्थल है। पहले यह क्षेत्र गंदगी और अंधेरे में डूबा रहता था, जहां लोग आने से डरते थे, लेकिन अब यह सबसे सुंदर और लंबा घाट बन चुका है। यहां जी 20 शिखर सम्मेलन और काशी तमिल संगमम जैसे भव्य कार्यक्रम भी आयोजित हुए। मुख्यमंत्री ने बताया कि पांच साल पहले काशी विश्वनाथ धाम में मात्र 50 श्रद्धालु मुश्किल से दर्शन कर पाते थे, जबकि आज 50 हजार से अधिक श्रद्धालु आराम से दर्शन कर सकते हैं। विशेष अवसरों पर यह संख्या लाखों में पहुंच जाती है। काशी के विकास और विरासत को विश्व स्तर पर एक नई पहचान मिली है।

›› काशी को विकास और विरासत के संगम के रूप में एक नई वैश्विक पहचान मिली है

मुख्यमंत्री ने पिछले 10 वर्षों में काशी के बदलते स्वरूप की चर्चा करते हुए कहा कि काशीवासियों ने नये भारत के साथ काशी के नये कलेवर का अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि काशी को विकास और विरासत के संगम के रूप में एक नई वैश्विक पहचान मिली है, जिसका काशीवासियों ने अपनी आंखों से साक्षात्कार किया है। यहां के इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई गति मिली है और अनेक कार्य संपन्न हुए हैं। उन्होंने कहा कि देश का पहला वाटर वे जो हल्दिया तक जाता है, यहीं से शुरू होता है। सीएम योगी ने बताया कि काशी में 700 से अधिक नावें सीएनजी इंधन से संचालित होती हैं, जिससे प्रदूषण कम हुआ है।

भारत सनातन की भूमि है और काशी इसका केंद्र : उप राष्ट्रपति

वाराणसी, 15 नवंबर। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को विश्व के सबसे बड़े और सुंदर घाट 'नमो घाट' का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उप राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सनातन की भूमि है और काशी इसका केंद्र है। सनातन धर्म सभी को समाहित करता है और इसने आक्रमणकारियों को भी समाहित करने का कार्य किया है। यह हमें एकता और दृढ़ता की सीख देता है। उप राष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि योगी जी अपनी लगन और निष्ठा से उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाकर इसे सर्वोच्च प्रदेश बनाने की दिशा में अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि संरक्षण, सृजन, दूरदर्शी और सराहनीय विकास के लिए जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी समर्पित हैं, उत्तर प्रदेश में यही काम तपस्वी के रूप में योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। वहीं उन्होंने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुझे उनके मार्गदर्शन का लाभ कई अवसरों पर मिला है।

नमो घाट का उद्घाटन करना मेरे लिए सौभाग्य की बात

उप राष्ट्रपति ने नमो घाट के उद्घाटन को अपने लिए सौभाग्य का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े घाट का उद्घाटन करना मेरे लिए बड़ा सम्मान है। मुख्यमंत्री योगी जी ने जब कहा कि भारत के अलावा और कहां घाट होते हैं, तो इससे मेरी बात को और बल मिला। काशी मोक्ष की नगरी है और यहां की परंपराएं अनवरत रूप से प्रज्ज्वलित रहती हैं। उप राष्ट्रपति ने इस बात पर भी जोर दिया कि उद्घाटन दिवस का संयोग बेहद खास है। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन सिख धर्म के संस्थापक प्रथम गुरू श्री गुरुनानक देव जी का 555वां प्रकाश पर्व है। इसके साथ ही उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती का भी स्मरण करते हुए आदिवासी समुदाय की गौरवशाली विरासत की सराहना की।

भारत सामाजिक समरसता की नींव है

उप राष्ट्रपति ने बताया कि भारत तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर है और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा गया है। इस बड़े यज्ञ में हर भारतीय को योगदान देना होगा। उप राष्ट्रपति ने भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने हमें बार-बार याद दिलाया है कि हमारी सांस्कृतिक जड़ें ही हमारे वर्तमान और भविष्य का आधार हैं। इसे संरक्षित रखने का दायित्व हम सभी का है। उप राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में स्वदेशी भावना को भी बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी दीप देश की मिट्टी, तेल और रुई का अनूठा मेल हैं। वैश्विक व्यापार में भी हमें स्वदेशी भावना को विचार में रखना चाहिए। उन्होंने सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए कहा कि भारत सामाजिक समरसता की नींव है। मतभेद हो सकते हैं, पर मनभेद को कम रखना चाहिए। सौहार्दपूर्ण संवाद, आस-पड़ोस का ध्यान रखना ही त्योहारों की खास बात है।

नमो घाट पर सीएम योगी और उप राष्ट्रपति ने बजाया डमरू

काशी। में देव दीपावली के पर्व पर नमो घाट का उद्घाटन करने के उपरांत देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले कलाकारों से मुलाकात की। इसी दौरान डमरू दल के युवाओं से भी उन्होंने मुलाकात कर उनकी हौसलाफजाई की। वहीं स्वयं उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ डमरू बजाकर देव दीपावली महोत्सव के उल्लास में शामिल हुए। बता दें कि डमरू को देवाधिदेव महादेव का प्रिय वाद्य यंत्र माना जाता है।

यातायात और सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत छात्राओं को जागरूक किया गया

लखनऊ। चौक स्थित खुन खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज में यातायात और सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत छात्राओं को जागरूक किया गया। ट्रैफिक नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसीपी सुबोध जायसवाल शामिल हुए।

एसीपी सुबोध जायसवाल ने कहा कि 'सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा' जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर छात्राओं के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया गया है। हमारे समाज के प्रत्येक व्यक्ति को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। सड़क पर चलने वाले व्यक्ति के लिए एक छोटी सी लापरवाही मौत का कारण बन जाती है।

दो पहिया वाहन पर हेलमेट जरूर लगाएं

दो पहिया वाहन पर हेलमेट का उपयोग बेहद आवश्यक है। जब भी कोई हादसा होता है तो सबसे पहले सिर में चोट आती है। अक्सर हेड इंजरी मौत का कारण बनता है। वहीं अगर चार पहिया चालक सीट बेल्ट का इस्तेमाल करते हैं तो हादसे उन्हें काफी सुरक्षा मिलती है।

बिना लाइसेंस नहीं चलाएं गाड़ी

विद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्रों के लिए आवश्यक है कि जब तक लाइसेंस न बन जाए वाहन ना चलाएं। नियमों के अनुसार ही वाहन चलाएं। हमारे जीवन को सुरक्षित बनाए रखने के लिए ही नियम बनाए गए हैं। आज बड़ी संख्या में युवा सड़क हादसे में अपना बहुत कुछ गंवा बैठते हैं। हमारे छात्रों के लिए सबसे आवश्यक है अपने भविष्य को बेहतर बनाएं। तेज रफ्तार से गाड़ी चलाना अनावश्यक स्टंट करना इन सब से दूर रहे।

›› जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाएं

कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर पंकज सिंह ने कहा कि आज के इस कार्यक्रम का उद्देश्य की छात्राओं को नियमों के बारे में संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जाए। कई बार यातायात नियमों की सही जानकारी न होने कारण उल्लंघन कर बैठते हैं। कार्यक्रम में छात्रों को दी जाने वाली जानकारी इन्हें पूरे जीवन याद रहेगा। ये हमारी जिम्मेदारी है कि जागरूकता का संदेश समाज में जन-जन तक पहुंचाएं।

राजधानी लखनऊ में पोस्टर वार जारी

लोकतंत्र की शान /देवेंद्र शर्मा ब्यूरो

लखनऊ, लगातार पोस्टर वार जारी है, सीएम योगी के बयान के बाद लगातार उत्तर प्रदेश में इस तरह के पोस्टर लगे हुए देखे जा सकते हैं, कार्यालय के सामने लगी होल्डिंग मंडल उपाध्यक्ष युवा नेता अध्ययन सिंह सैनी ने लगवाई, होल्डिंग में पूर्वी विधानसभा के विधायक ओपी श्रीवास्तव की भी है तस्वीर।

खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के बढ़ते कदम

लखनऊ। 15 नवम्बर 2024 उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के हर सम्भव प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा कई प्रभावी व ठोस कदम उठाए गए हैं। खाद्य प्रसंस्कृत पदार्थो के उत्पादन व विपणन के लिए भी सकारात्मक कदम उठाए गए हैं इस क्षेत्र में उद्योग लगाने के लिए विभिन्न प्रकार की सुविधाएं व अनुदान आदि की व्यवस्था भी की गयी है।

आर फ्रैंक के निदेशक एस के चौहान ने बताया कि

उत्तर प्रदेश में इंटरनेशनल स्कूल ऑफ मिलिंग टेक्नोलॉजी के निर्माण हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 5 एकड़ जमीन लखनऊ में रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया को दी गई है।जिस पर सेंटर फॉर एक्सीलेंस के निर्माण के लिए बुधवार को एक त्रिपक्षीय एम ओ यू फूड प्रोसेसिंग डिपार्टमेंट, सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट एवं रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के मध्य साइन किया गया ।

अंबाला

जिला बाल कल्याण परिषद के तत्वावधान में मनाया जिला स्तरीय बाल दिवस कार्यक्रम

55 स्कूलों के 680 बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर हासिल किए पुरस्कार

जिला स्तरीय कार्यक्रम में पहुंचे जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बच्चों को प्रशंसा पत्र व पुरस्कार देकर किया सम्मानित

अंबाला शहर के पंचायत भवन में आयोजित जिला स्तरीय बाल दिवस कार्यक्रम में बच्चों को सम्मानित करते जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता व अन्य तथा (दाएं) अंबाला शहर के पंचायत भवन में आयोजित जिला स्तरीय बाल दिवस कार्यक्रम में हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत करते बच्चे।

अंबाला शहर, नवंबर : अंबाला जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने कहा कि बाल दिवस पर हजारों बच्चों ने अलग-अलग विधाओं में अपनी अनोखी प्रतिभा दिखाने का काम किया। इन बच्चों की प्रतिभा में देश के उज्जवल भविष्य की चमक को साफ देखा गया। इन विद्यार्थियों को लगातार मेहनत व ईमानदारी के साथ शिक्षा और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में आगे बढना चाहिए। बता दें कि जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता वीरवार को जिला बाल कल्याण परिषद की ओर से बाल दिवस कार्यक्रम में शहर के पंचायत भवन के सभागार में संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उपायुक्त पार्थ गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त सचिन गुप्ता, नगराधीश पूजा कुमारी, जिला बाल कल्याण अधिकारी विश्वास मलिक ने दीप प्रज्वलित करके जिला स्तरीय बाल दिवस कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारम्भ किया। इस कार्यक्रम में उपायुक्त ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले 55 स्कूलों के 680 विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। विशेष बात यह भी है कि इन प्रतियोगिताओं में 3200 विद्यार्थियों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की हैं।

इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार से विजेता रहे ग्रुप विजेता : जिला बाल कल्याण अधिकारी विश्वास मलिक ने कहा कि दूसरे ग्रुप में ऑन दी स्पोर्ट स्केटिंग प्रतियोगिता में मंजोत सिंह प्रथम, तृतीय ग्रुप में अरुण यादव प्रथम, चौथे ग्रुप में राघव प्रथम, क्ले मॉडलिंग के पहले ग्रुप में कानव प्रथम, दूसरे ग्रुप में वीरजीत सिंह प्रथम, सोलो डांस प्रतियोगिता में ग्रुप गुरु सिरात कौर प्रथम, द्वितीय ग्रुप में अन्नया, तीसरे ग्रुप में अंशिका प्रथम, चौथे ग्रुप एंजल ने प्रथम स्थान हासिल किया। उन्होंने बताया कि सोलो सोंग प्रतियोगिता के द्वितीय ग्रुप में पुलकित प्रथम, तीसरे ग्रुप में तथागत प्रथम, चौथे ग्रुप में कबीर भोला तथा पोस्टर मेकिंग के द्वितीय ग्रुप में वृद्धि जैन प्रथम तथा तृतीय ग्रुप में युवराज प्रथम, चौथे ग्रुप में हरनीत कौर प्रथम, कार्ड मेकिंग के प्रथम ग्रुप में आरोही प्रथम, दिया कैन्डल मेकिंग सजावट प्रतियोगिता में लक्ष्य आनन्द, द्वितीय ग्रुप में प्रथम स्थान पर किया।

हिन्दी हैंडराइटिंग ग्रुप प्रतियोगिताओं के विजेता : इसी प्रकार हिन्दी हैंडराइटिंग के प्रथम ग्रुप प्रतियोगिता में यशस्वी प्रथम, द्वितीय ग्रुप में मनवीर सिंह प्रथम, अंग्रेजी हैंडराइटिंग में प्रथम ग्रुप में हर जोग सिंह प्रथम, द्वितीय ग्रुप में संदीप कौर, सोलो क्लासिकल डांस में परवी प्रथम, तृतीय ग्रुप में भाविका प्रथम, चौथे ग्रुप में भावना प्रथम, वाद विवाद प्रतियोगिता के तृतीय ग्रुप में इशिता प्रथम, चौथे ग्रुप में सक्षम राणा प्रथम, देश भक्ति समूह गान के द्वितीय ग्रुप में एसडी विद्या अंबाला छावनी के प्रथम, ग्रुप तृतीय में भी एसडी स्कूल प्रथम स्थान पर रहा तथा चौथे ग्रुप में डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल अंबाला शहर प्रथम स्थान पर रहा, वहीं फैंसी ड्रेस के प्रथम ग्रुप में मानसी प्रथम, ड्रामा प्रतियोगिता के प्रथम ग्रुप में जपनूर कौर प्रथम, द्वितीय ग्रुप में दीपिका शर्मा प्रथम स्थान पर रही, कलश सजावट प्रतियोगिता के तृतीय ग्रुप में हिमांशु प्रथम व चौथे ग्रुप में नीकिता पहले स्थान पर रही।

रंगोली, फन गेम व क्विज प्रतियोगिता विजेता ग्रुप इस प्रकार रहे : डीसीडब्ल्यूओ ने कहा कि रंगोली प्रतियोगिता के तीसरे ग्रुप में जसमीन प्रथम, चौथे ग्रुप में अदिति अहलावत प्रथम, वन एक्ट प्ले के चौथे ग्रुप में आर्मी पब्लिक स्कूल अंबाला छावनी प्रथम, फन गेम ब्वॉय के तृतीय ग्रुप में गुरू चोपड़ा प्रथम, गर्ल्ज में सहज प्रीत कौर प्रथम, ग्रुप डांस प्रतियोगिता के प्रथम ग्रुप में आर्मी पब्लिक स्कूल अंबाला छावनी प्रथम, द्वितीय ग्रुप में पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल में अंबाला शहर प्रथम, तृतीय ग्रुप में डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल अंबाला शहर प्रथम, चौथे ग्रुप में एसए जैन स्कूल अंबाला शहर पहले स्थान पर रहा। क्विज प्रतियोगिता के द्वितीय ग्रुप में आश्वी बंसल व मान्य गुप्ता प्रथम, तीसरे ग्रुप में वैभव व अंकित प्रथम, चौथे ग्रुप में दीपांशी व वर्षा प्रथम स्थान पर रही। इस मौके पर पीओ राजेश कुमार, सहायक मनजीत सिंह सैनी, अशोक कुमार, दर्शन कुमार, मधु कौशिक आदि उपस्थित थे।

प्लास्टिक बेस वेस्ट एकत्रित करने वाले विजेता प्रीत सिंह व हार्दिक को डिजिटल वॉच से नवाजा : उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने कहा कि अंबाला स्वच्छ मुहिम के तहत राजकीय स्कूल समलेहड़ी के विद्यार्थी प्रीत सिंह ने जिला स्तर पर प्लास्टिक वेस वेस्ट एकत्रित करने पर प्रथम स्थान हासिल किया हैं। इस विद्यार्थी ने 11 किलों 500 ग्राम प्लास्टिक वेस वेस्ट एकत्रित किया। इसके अलावा ब्लॉक स्तर पर प्रथम रहने वाले रतनगढ़ राजकीय स्कूल के विद्यार्थी हार्दिक ने 7 किलो 500 ग्राम वेस्ट मटेरियल एकत्रित किया। इन विद्यार्थियों को प्रशासन की आरे से प्रशंसा पत्र व डिजिटल वॉच देकर नवाजा गया है।

ओपन शेल्टर होम के 20 विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान, 10 विद्यार्थी द्वितीय व 6 विद्यार्थी तीसरे स्थान पर रहे : उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने ओपन शेल्टर होम के विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रथम स्थान पर आने वाले 20, दूसरे स्थान पर आने वाले 10 व तीसरे स्थान पर आने वाले 6 तथा 10 विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। इसमें प्रथम आने वाले विद्यार्थियों में कविता, सिद्धार्थ, अंश, माधवन, परी, अंश, वंशिका, उमेश, आस्था, कविता, कामना, पूजा, भतेरी, लक्ष्मी, निहारिका, अन्नु, श्याम और आकाश शामिल हैं। दूसरे स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों में कामना, श्याम, तनीशा, निहारिका, माधवन, परी, नितीश, भव्य तथा तीसरे स्थान पर आने वाले भतेरी, अंश, हिमाशु, निहारिका, मुस्कान का नाम शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में अरविंद सूरी, अनिल कौशल, विशाल शर्मा, देवी प्रसाद, डॉ. नरेन्द्र कौशिक, यामिनी जैन, एचएस पूरेवाल, बुद्धराम, लव्य खन्ना, डॉ. हेमंत कपी, दीक्षा मक्कड़, स्नेहा खन्ना, राधिका गुप्ता, डॉ. आशीष गुप्ता, मीनाक्षी गंभीर ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। इसके अलावा पूजा, मुस्कान, आशीष, सिद्धार्थ, तनीशा, मयंक, अंश, निहारिका को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

उपायुक्त ने आजीवन सदस्य व समाज सेवियों को भी किया सम्मानित : उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बच्चों के लिए सराहनीय व उल्लेखनीय कार्य करने वाले आजीवन सदस्यों राकेश मक्कड़, इन्द्रजीत सिंह, रूपिन्द्र सिंह, रशपिन्द्र सिंह, सनेहा खन्ना, विजय वडेरा को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया, वहीं समाजसेवी वंदना, नितेश, दास, कमलेश, जितेन्द्र सिंह चौहान, रीदम भोला, विजय अरोड़ा, अभिन्नयु दुहन, प्रशान सोभती को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सुदर्शन परिवार के सीएमडी ने बाल दिवस पर एसबीएनएसडी स्कूल के विधार्थियों को किया सम्मानित

अंबाला शहर : बाल दिवस के उपलक्ष में वीरवार को अम्बाला शहर के नॉवेल्टी सिनेमा के पास एक बहुत पुराना एसबीएनएसडी स्कूल में एक वार्षिक कार्यक्रम के तहत सुदर्शन परिवार के सीएमडी ओर भाजपा के नेता अनुभव अग्रवाल ने सभी बच्चो को सर्दियों की वर्दी वितरित की । यह कार्यक्रम सुदर्शन परिवार की तरफ से पिछले 35 से ज्यादा सालों से चलाया रहा है। इसमें मुख्यातिथि के रूप में दिनेश कांत जिंदल (आर्किटेक्ट एवं आर्ट ऑफ लिविंग गुरु) रहे। सुदर्शन परिवार की मुखिया कुसुम लता, श्यामा मित्तल, भारती लाम्बा एवं प्रियंका विशेष रूप से उपस्थित रहे। दिनेश जी ने भी स्कूल के चलाने में भी अपना सहयोग देने की इच्छा जतायी साथ ही बच्चों को अच्छी बातें बताकर प्रोत्साहित भी किया। इसके प्रधान वीरेन्द्र अग्रवाल दिन रात इस स्कूल को चलाने में सहयोग करते हैं। यह स्कूल गरीब बच्चो से जुड़ा हुआ है इसके संचालन में आर्थिक रूप से काफी परेशानी आती है। सुदर्शन परिवार इसमें सहयोग करता भी है और सबसे चाहता भी है की शहर की और समाजसेवी संस्थाएं इस स्कूल को चलाने में पूर्ण सहयोग दे।यहां पर जितने भी बच्चे है वो सब ऐसे परिवारो से है जहाँ पर आर्थिक परेशानी है तो इसलिए अनुभव अग्रवाल ने बताया इस तरह के स्कूलों का सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जब बच्चों को वर्दी बाँटते है तो इसमें अदभुत खुशी की अनुभूति होती है।सभी बच्चों से अनुभव अग्रवाल ने सवाज-जवाब भी किये और जिन बच्चों ने सही उत्तर दिए उनको छोटा सा टोजो का गिफ्ट हैंपर भी दिया गया। प्रिंसिपल रजनी और सभी टीचर्स भी दिल से बच्चों को पड़ाने में अपना पूरा समय देते हैं।

सूर्या सीनियर सैकेंडरी स्कूल में गुरु पर्व मनाया

प्रकाश पर्व पर गुरु का लंगर खाते स्कूली बच्चे।

अंबाला शहर, नवम्बर : सूर्या सीनियर सैकेंडरी स्कूल, अंबाला शहर, में गुरुपुरब के अवसर पर एक भव्य और धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह दिन विशेष रूप से गुरु नानक देव जी की जयंती के रूप में मनाया गया, जिनके योगदान और शिक्षाओं ने समाज को सत्य, प्रेम और मानवता की राह दिखाई। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना से की गई। सुबह प्रभात फेरी के पश्चात बच्चों द्वारा शब्द कीर्तन, जपजी साहिब का पाठ , गुरु नानक देव जी की वाणी , आनंद साहिब के पाठ के पश्चात अरदास करके सभी लोगों को तथा विद्यार्थियों को लंगर छकाया गया।

गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं और पंजाबी संस्कृति का प्रतीक थे। विद्यालय के प्रधानाचार्य कर्मजीत कौर ने अपने संबोधन में गुरु नानक जी के जीवन और उनके महान कार्यों पर प्रकाश डाला। सभी ने इस धार्मिक अवसर को मिलकर मनाया और गुरु नानक जी की उपदेशों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर निकाला विशाल नगर कीर्तन

नगर कीर्तन का स्वागत करते, स .चरनजीत सिंह टक्कर साथियों सहित।

अंबाला शहर, नवम्बर : गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को समर्पित एक विशाल नगर कीर्तन अंबाला के ऐतिहासिक गुरुद्वारा मंजी साहिब से दोपहर 12.00 बजे आरंभ हुआ। गुरुद्वारा साहिब के हेड ग्रंथी भाई सतनाम सिंह द्वारा अरदास उपरांत यह नगर कीर्तन आरंभ हुआ। जो मीरी पीरी चौक, नाहन हाउस, जगाधरी गेट, पटेल रोड, सराफा बाजार, नदी मोहल्ला, रेलवे रोड, तंदूरा बाजार, पुरानी अनाज मंडी से होता हुआ देर शाम गुरुद्वारा मंजी साहिब पहुंचेगा। नगर कीर्तन का जगाधरी गेट चौक पहुंचने पर शिरोमणि अकाली दल के मीडिया इंचार्ज स. चरनजीत सिंह टक्कर ने अपने साथियों समेत नगर कीर्तन का स्वागत किया। स. चरनजीत सिंह टक्कर ने इस मौके पर सभी गुरु नानक नाम लेवा संगतों को बधाई देते हुए गुरु नानक देव जी के बताए मार्ग पर चल कर कीरत करना व वंड के छकने का संदेश दिया। इस नगर कीर्तन में गुरु हरगोबिंद साहिब हाई स्कूल, गुरु हरगोबिंद साहिब पब्लिक स्कूल व कलगीधर स्कूल द्वारा हर साल की तरह बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया। सुखमनी साहिब सेवा समिति व सेवक जत्थे की तरफ से गुरबाणी शब्द का कीर्तन कर संगतों को निहाल किया , गतका पार्टी द्वारा गतके के जौहर दिखाए गए। गुरु नानक नाम लेवा संगतों द्वारा जगह-जगह चाय , लड्डू अन्य कई प्रकार के लंगर लगाए। इस मौके पर जत्थेदार सुरेंद्र पाल सिंह पप्पू , रवींद्र सिंह सोनू,स. सरबजीत सिंह ओबेरॉय, सिमर पाल सिंह, तरण सिंह, स. प्रीतपाल सिंह (मैनेजर गुरुद्वारा मंजी साहिब) व भारी संख्या में सिख संगत मौजूद थी।

एमडीएसडी कॉलेज में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

अंबाला शहर के एमडीएसडी कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में पहुंचे मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री असीम गोयल व अन्य अतिथियों का अभिनंदन करते कॉलेज प्रबंधन समिति सदस्य।

अंबाला शहर : अंबाला शहर के एमडीएसडी कॉलेज में हिंदी विभाग, वूमेन सेल, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज के प्रेसिडेंट अरविंद अग्रवाल लक्की एवं कार्यकारी प्राचार्य करमजीत कौर की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन करवाया गया। राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि असीम गोयल पूर्व परिवहन मंत्री हरियाणा एवं विशिष्ट अतिथि अंबाला के उपायुक्त पार्थ व नरेश अग्रवाल प्रेसिडेंट श्री सनातन धर्म सभा अंबाला शहर ने विशेष तौर पर शिरकत की, इस कार्यक्रम में कवि के रूप में कवयित्री अनामिका वालिया, सविता सवी, डॉ. अश्वनी शांडिल्य, डॉ. अल्का शर्मा, अनुष्का त्यागी, देवी श्री, डॉ. नीलम उपस्थिति रही। जिन्होंने विभिन्न कविताओं के माध्यम से समा बांधकर कार्यक्रम में अपनी सुंदर कविताएं प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन का सभी छात्र-छात्राओं ने आनंद उठाया। कार्यक्रम का आयोजन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम द्वारा किया गया, वहीं मंच संचालन डॉ. नीलम तथा डॉ. सीमा सिंघल ने किया। कार्यक्रम के अंतर्गत देवी श्री डॉ. नीलम की किताब 'एहसास मेरे मन के, कविताओं की पुस्तक का विमोचन पूर्व परिवहन मंत्री असीम गोयल एवं उपायुक्त पार्थ गुप्ता के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत रूप से दीप प्रज्वलित कर व सरस्वती वंदना प्रस्तुत करके किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का कॉलेज प्रबंधन समिति ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया।

मुलाना में गुरु पर्व के उपलक्ष पर नगर कीर्तन

नगर कीर्तन का शुभारंभ करते हुए तथा (दाएं) गतका पार्टी जौहर दिखाते हुए।

मुलाना, नवंबर : मुलाना में गुरू नानक देव जी के प्रकाश पर्व को समर्पित नगर कीर्तन का आयोजन किया गया । नगर कीर्तन पंज प्यारों की अगुवाई और गुरू ग्रंथ साहिब जी की पावन हजूरी में निकाला गया । नगर कीर्तन का शुभारंभ जो बोले सो निहाल के उद्घोष के साथ

झंडा दिखाते हुए समाजसेवी नरेन्द्र बिलमा ने किया । नगर कीर्तन मुलाना में गुरूद्वारा से आरंभ होकर मुलाना बाजार से होता हुआ मुलाना के मुख्य रास्तों से गुजरते हुए पुनः गुरूद्वारा प्रांगण में सम्पन्न हुआ । नगर कीर्तन का मुलाना में विभिन्न जगहों पर स्थानीय लोगों ने स्वागत किया और जगह जगह ब्रैड, दूध, चाय, प्रसाद का लंगर लगाया । श्रद्धालुओं ने गुरू ग्रंथ साहिब जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। गतका पार्टी ने अपने जौहर का प्रर्दशन कर लोगो को चौंका दिया । लोगों ने गतका पार्टी के जौहर को मोबाइल कैमरों में कैद किया । मौके पर ग्राम सरपंच प्रवीन कुमार, कमेटी सदस्य व पदाधिकारी जसवंत सिंह, जसप्रीत सिंह जस्सी, रविशेर सिंह, लखविन्द्र सिंह व काफी संख्या में सिख संगत मौजूद रही।

ब्राइट फ्यूचर इंटरनैशनल अकाल एकेड़मी में श्रद्धाभाव से मनाया गुरुपर्व

जरूरतमंदों को गर्म कपड़े वितरित करते हुए स्कूल प्रबंधन।

मुलाना, नवंबर : गुरुपर्व के पावन अवसर पर प्रथम सिख गुरु श्री गुरु नानक देव जी की जयंती को हर्षोल्लास व श्रद्धाभाव से मनाते हुए ब्राइट फ्यूचर अकाल अकादमी खानअहमदपुर द्वारा समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें भक्ति और सामुदायिक सेवा को अपनाया गया। दिन की शुरूआत पूरे स्कूल के बच्चों द्वारा पाठ , कीर्तन और अरदास करने के साथ हुई, जिसके बाद सभी बच्चों और कर्मचारियों को देग प्रसाद वितरित किया गया। तत्पश्चात समानता और सेवा की भावना पर जोर देते हुए लंगर वितरित किया गया। इस अवसर पर गुरू नानक देव जी के कथन ₹गरीब का मुंह, गुरु की गुल्लक ₹ की राह पर चलते हुए स्कूल स्टाफ व छात्रों ने आस-पास की झुग्गी-झोपड़ियों में जरूरतमंदों को लंगर, गर्म कपड़े और अन्य आवश्यक वस्तुएँ वितरित कीं। प्रिंसिपल ब्राइट फ्यूचर अकाल अकादमी ने कहा कि छात्र इस प्रकार की गतिविधियों से महान नैतिक मूल्यों और जीवन कौशल सीखते हैं। लोगों की पंक्तियों में लंगर में शामिल होने से, छात्र अपनी छोटी उम्र में समानता और धर्मनिरपेक्षता सीखते हैं।

नकद पुरस्कार पात्र खिलाड़ी विभाग ऑनलाइन पोर्टल पर करें आवेदन : राजबीर

अंबाला शहर, नवंबर : जिला खेल अधिकारी राजबीर सिंह रंगा ने कहा कि राज्य सरकार के आदेशानुसार 1 अप्रैल 2024 व इसके बाद की खेल उपलब्धियों के आधार पर राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से नकद पुरस्कार हेतू ऑनलाईन प्रणाली से आवेदन आमंत्रित किए हैं। जिला खेल अधिकारी राजबीर सिंह रंगा ने बताया कि खेल उपलब्धियों के आधार पर राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता प्रतिभागी खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार प्रदान करने हेतू आवेदन पत्र ऑनलाईन आमंत्रित किए हैं।

इसमें पात्र खिलाड़ी अपने आवेदन विभाग के पोर्टल के माध्यम से संबंधित जिले के खेल अधिकारी को आवेदन करें। विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन जमा करने की कोई अंतिम तिथि नहीं है।

मुरलीधर डीएवी पब्लिक स्कूल में प्रकाशोत्सव व बाल दिवस मनाया

कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे।

अंबाला शहर, नवंबर : अंबाला शहर के मुरलीधर डीएवी पब्लिक स्कूल में गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव व बाल दिवस के उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरबाणी शब्द कीर्तन के साथ किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने भावपूर्ण तरीके से गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों व शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत कविताओं और सखियों ने उनकी जीवन गाथा को जीवंत कर दिया। गुरु श्री आनंद साहिब के पाठ के उपरांत सरदार कुलदीप सिंह ने भक्तिभाव से अरदास की, जिससे समस्त वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके पश्चात विद्यालय द्वारा वैदिक परंपराओं का पालन करते हुए, स. कुलदीप सिंह को ओम पट और ओम चित्र से सम्मानित किया गया। सुरेश कॉल ने उन्हें सिरोपा भेंट किया, जिससे गुरु नानक देव जी के प्रति सम्मान व्यक्त हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया गतका प्रदर्शन रहा, वहीं करीब 20 विद्यार्थियों ने इस परंपरागत शौर्य और वीरता से भरपूर युद्ध कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान गुरु नानक देव जी के जीवन पर प्रश्नोत्तरी का संचालन भी किया गया, जिसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के समापन पर गुरुओं का अटूट लंगर बरताया गया। इस अवसर पर पूर्ण अरोड़ा, कृष्ण लाल यादव, मनदीप कौर, अपिंदर कौर, हरजीत कौर, जगतार सिंह और अन्य सभी स्टाफ सदस्यों ने अपनी सेवा देकर क्रार्यकम को सफल बनाया, वहीं उपेंद्र कौर ने बताया कि इस कार्यक्रम में आयोजन में लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान बाल दिवस भी बड़ी धूमधाम से मनाया गया। बाल दिवस पर छोटे बच्चों ने केक काटा, जहां उनका पुष्पवर्षा द्वारा अभिनंदन किया गया। पूर्व प्राथमिक विभाग की संचालिका अमिता अरोड़ा ने नन्हे बच्चों के लिए कठपुतली शो का आयोजन किया, जिसमें रंग-बिरंगे परिधानों में बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य डॉ. राधा रमन सूरी ने इस पावन अवसर पर विद्यार्थियों को बधाई संदेश भेजा। कार्यक्रम की संचालिका उपेंद्र कौर व मंच संचालिका गौरी वंदना ने नाम जपो, कीरत करो, वंड छको के महत्व को समझाते हुए संदेश देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी का जीवन हमारे लिए सच्चाई, सेवा और परोपकार का आदर्श है।

पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के नर्सरी विंग में बच्चों ने लिया फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग

विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने से बच्चों में आत्मविश्वास की ऊर्जा बढ़ती है : डॉ. विकास कोहली

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लेते नर्सरी विंग के बच्चे।

अंबाला शहर, नवंबर : अंबाला शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के नर्सरी विंग में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गय। जिसमें स्कूली बच्चों ने विभिन्न प्रकार की वेशभूषा में सजकर एक संदेश देने का काम किया है। इस दौरान कुछ बच्चों ने फूल, बटरफ्लाई, परी, मून आदि पर अपनी प्रस्तुति पेश करते हुए कविताएं आदि सुनाई, जोकि हमारे पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए संदेश दे रही थी। इसी प्रकार कुछ बच्चों ने सेव वाइल्ड लाइफ , सेव ट्रीस, सेव अर्थ, सेव वाटर आदि थीम को लेकर अपनी प्रस्तुतियां पेश की, वहीं कुछ बच्चों ने यूज डस्टबिन, यूज हेलमेट, मोबाइल फोन के नुकसान, हेल्दी एंड जंक फूड से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक करने का काम भी किया है। इस प्रतियोगिता में बच्चे बहुत सुंदर-सुंदर प्रॉप भी बना कर लाए थे। बच्चे ग्रेट पर्सनालिटी ऑफ इंडिया की वेशभूषा में आए, कुछ स्वतंत्रता सेनानी, तो कुछ झांसी की रानी बनकर आए। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. विकास कोहली ने बच्चों द्वारा पेश की गई भव्य सुंदर फैंसी ड्रैस प्रतियोगिता को देखकर कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से बच्चों में आत्मविश्वास की ऊर्जा और ज्यादा बढ़ जाती है। आने वाले समय पर यह बच्चे बड़े मंच पर अपनी अहम भूमिका निभाने में भी सक्षम हो जाते हैं, वहीं बच्चों को इसी प्रकार से प्रत्येक प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।

अंतर्राष्ट्रीय मानवता ओलंपियाड कार्यक्रम में एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल की 2 छात्राओं ने पूर्ण अंक किए प्राप्त

अंतर्राष्ट्रीय मानवता ओलंपियाड कार्यक्रम में भाग लेने वाली छात्रा को सम्मानित करती प्राचार्या डॉ. रेनू गहलावत।

अंबाला शहर, नवंबर : बीते मई में एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय मानवता ओलंपियाड कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल के करीब 185 छात्रों ने भाग लिया था। जिसमें कक्षा नौवीं से अनिका जिंदल व बारहवीं कक्षा से सुहानी धीमान ने इस ओलंपियाड में पूर्ण अंक प्राप्त किए। इस मौके पर स्कूल की प्राचार्य डॉ. रेनू गहलावत ने बताया कि इस ओलंपियाड का मुख्य उद्देश्य नैतिक शिक्षा को बढ़ावा देना है। दोनों छात्राओं की इस बेहतरीन उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. रेनू गहलावत ने शुभकामनाएं देते हुए प्रोत्साहित किया, वहीं भविष्य में भी इसी प्रकार से मेहनत कर अपने लक्ष्य को निर्धारित करने की प्रेरणा दी।

निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवाओं का ऑफलाइन या ऑनलाइन फार्म-6 भर कर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराये- जिला निर्वाचन अधिकारी

■ उरई

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में दयानन्द वैदिक कॉलेज उरई में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने छात्र व छात्राओ से कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली (मतदाता सूची) का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 29 अक्टूबर से जनपद में संचालित है। उन्होंने कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत निर्धारित तिथियां हैं जहां पर पहुंचकर अपना वोटर कार्ड आसानी से बनवा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि 28 नवंबर 2024 तक मतदाता सूची से संबंधित गतिविधियां की जाएंगी। उन्होंने युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर जोर देते हुए कहा कि 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवाओं का ऑफलाइन या ऑनलाइन फार्म-6 भर कर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो युवा 1 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष पूर्ण कर रहे हो वह भी अग्रिम फॉर्म 6 भरकर जमा कर सकते हैं। समय अवधि पूर्ण होने पर सम्मिलित करने की कार्यवाही की जाएगी। नाम विलोपित या हटवाने, मृतक के लिए फार्म 7 भरना होगा।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में विद्यमान प्रविष्टियों में संशोधन, डुप्लीकेट मतदाता फोटो पहचान पत्र हेतु आवेदन, शिफ्टेड मतदाताओं के लिए आवेदन और दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन हेतु निर्धारित फार्म-8 ऑफलाइन भरकर सम्बन्धित पोलिंग बूथ के बूथ लेवल अधिकारी, मतदाता पंजीकरण केन्द्र, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

इसके अलावा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने एवं संशोधन इत्यादि की सेवाओं के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित ऑनलाइन वेबपोर्टल https://voterportal.eci.gov.in या https://voters.eci.gov.in या voter helpline app का उपयोग कर सकते हैं।

उन्होंने जनपद वासियों से अपील की है कि 28 नवम्बर तक समस्त अर्ह व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में शामिल, मृतक, डुप्लीकेट अथवा स्थानान्तरित मतदाताओं का नाम सूची से विलोपित किया जाएगा। आगामी 23 व 24 नवंबर 2024 को विशेष अभियान तिथियों में अपने बूथ पर जाकर मतदाता सूची से संबंधित कार्यवाही करें, जिससे त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार हो सके।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नेहा ब्याडबाल, जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित डीवीसी कॉलेज के प्राचार्य राजेश चंद्र पाण्डेय सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं हेतु ई-लाटरी की प्रक्रिया जनपद स्तरीय गठित कमेटी की देख-रेख में सम्पन्न

■ उरई

मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास की अध्यक्षता में विकास भवन उरई स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु कृषि विभाग से संचालित कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं के अन्तर्गत रू0 10000/- से अधिक अनुदान वाले समस्त कृषि यन्त्र/कृषि रक्षा उपकरण, रोटावेटर, सीडड्रिल, चेप कटर मानवरहित, पावर टिलर, लेजर लैंड लेवलर, हैरो, स्ट्रारीपर, कस्टम हायरिंग सेन्टर, पैडी मल्टी क्राप थ्रेसर, कम्बाइन हार्वेस्टर विद सुपर स्ट्रा मैनेजमेन्ट सिस्टम एवं स्माल गोदाम इत्यादि की ई-लाटरी की प्रक्रिया जनपद स्तरीय गठित कमेटी की देखरेख में सम्पन्न हुई। जिसमें उप कृषि निदेशक जालौन एस0के0उत्तम, जिला कृषि अधिकारी गौरव यादव, अग्रणी जिला प्रबन्धक इंडियन बैंक जिला परिषद उरई, प्रतिनिधि जिला उद्यान अधिकारी जालौन, प्रतिनिधि अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र जालौन, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर कलैक्ट्रेट परिसर उरई, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी जालौन एवं जनप्रतिनिधि तथा जनपद के प्रगतिशील किसान सहित कृषि यंत्रों पर अनुदान हेतु आनलाइन आवेदन करने वाले कृषकगण सहित अधिक संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

ई-लॉटरी प्रक्रिया में जनपद के इच्छुक कृषकों द्वारा विभागीय पोर्टल के माध्यम से कृषि यंत्रों के क्रय पर अनुदान प्राप्त करने हेतु जनरेट किये गये टोकन के सापेक्ष विकासखण्डवार आबंटित लक्ष्यों के अनुसार कृषकों का चयन हुआ। यंत्रवार चयनित कृषकों का विवरण निम्नवत है। उन्होंने कहा कि कृषि यंत्र रोटावेटर के चयनित कृषक 32, सीडड्रिल के 15 कृषक, चेप कटर मानवरहित के 04 कृषक, पावर टिलर के 01 कृषक, स्माल गोदाम के 10 कृषक, लेजर लैंड लेवलर के 06 कृषक, हेरो के 02 कृषक, स्ट्रारीपर के 01 कृषक, कस्टम हायरिंग सेन्टर ग्रामीण उद्यमी हेतु 06 कृषक, पैडी/मल्टी क्रॉप थ्रेसर के 01 कृषक, कम्बाइन हार्वेस्टर विद सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम के 01 कृषक का चयन हुआ है।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जन2जातीय गौरव दिवस पर बिहार पहुंचे,बोले जिन पिछड़ी जनजातियों को पिछली सरकारों ने नहीं पूछा उसे मोदी पूजता है

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के लिए कई परियोजनाओं की शुरूआत की और कुछ का उद्घाटन किया। उन्होंने ह्यधरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियानह्न की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आजीविका के अवसरों को बेहतर बनाना है। इस योजना के तहत 11000 से अधिक आदिवासी परिवारों को नए घर उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने आदिवासी इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए 23 मोबाइल मेडिकल यूनिट को भी हरी झंडी दिखाई। उन्होंने देश भर में 10 एकलव्य मॉडल स्कूलों का भी उद्घाटन किया, जो विशेष रूप से आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री ने दो जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों और दो जनजातीय अनुसंधान संस्थानों का भी उद्घाटन किया। ये संग्रहालय और संस्थान जनजातीय संस्कृति, इतिहास और विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा जनजातीय समुदाय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उनके द्वारा शुरू की गई योजनाएं और परियोजनाएं आदिवासी क्षेत्रों में विकास को गति देने और जनजातीय लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में मदद करेंगी। प्रधानमंत्री बोले- जिन पिछड़ी जनजातियों को पिछली सरकारों ने नहीं पूछा, उसे मोदी पूजता हैपीएम मोदी बिहार के जमुई में 12 बजे मंचासीन हुए और 1 बजे तक संबोधन किया। पीएम मोदी का भाषण शुरू होते ही तालियों की गडगडाहट से मंच गूंज उठोउनके एक झलक देखने के लिए महिलाऐं बड़ी उत्सुकता से मंच की ओर झांक रही थी आदिवासी क्षेत्रों में पोस्टिंग एक सजा मानी जाती थी। समय के साथ बदलाव आया। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने आदिवासियों के लिए अलग मंत्रालय बनाया। आदिवासी बाहुल्य जिलों को आकांक्षी जिलों में बदला गया। इन जिलों का विकास किया जा रहा है पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने देश की सबसे पिछड़ी जनजातीय आबादी के विकास के लिए पीएम जन-मन योजना शुरू की है। इस योजना के तहत, आदिवासी समुदायों को बेहतर जीवन प्रदान करने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार आदिवासी समुदायों की कठिनाइयों को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिनको किसी ने नहीं पूछा, मोदी उनको पूजता है। पीएम जन-मन योजना के तहत, आदिवासी समुदायों को हजारों पक्के घर दिए गए हैं। इसके अलावा, आदिवासी बस्तियों को जोड़ने के लिए पक्की सड़कें बनाई जा रही हैं। सैकड़ों गांवों में हर घर नल से जल पहुंचाया गया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आदिवासी समाज को देश के इतिहास में उनका हक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि यह अन्याय दूर करने की कोशिश हो रही है। मोदी जी ने कहा कि आदिवासियों ने बहुत योगदान दिया है, लेकिन राजनीति की वजह से उन्हें भुला दिया गया। उन्होंने कहा कि सिर्फ.कांग्रेस को ही आजादी का श्रेय देना गलत है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आदिवासियों ने हमेशा देश की सेवा की है। उन्होंने भगवान राम को बनाया, आजादी की लड़ाई लड़ी और महान योद्धाओं का साथ दिया। मोदी जी ने पूछा कि अगर सिर्फ.एक ही परिवार ने देश को आजाद करवाया, तो बिरसा मुंडा का आंदोलन और संथाल क्रांति क्यों हुई? उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप को भील सैनिकों ने मदद की थी, और छत्रपति शिवाजी को भी आदिवासियों का साथ मिला था। मोदी जी ने कहा कि इन सबको इतिहास में जगह मिलनी चाहिएपीएम मोदी ने कहा कि आदिवासी समाज वो है,

जिसने राजकुमार राम को भगवान राम बनाया। आदिवासी समाज वो है, जिसने भारत की संस्कृति और आजादी की रक्षा के लिए सैकड़ों वर्षों की लड़ाई को नेतृत्व दिया। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना से देश की सबसे पिछड़ी जनजातियों की बस्तियों का विकास सुनिश्चित हो रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज बहुत ही पवित्र दिन है। आज कार्तिक पूर्णिमा है, देव दीपावली है और आज गुरु नानक देव जी का 555 वां प्रकाश पर्व भी है। मैं सभी देशवासियों को इन पर्वों की बधाई देता हूं। आज का दिन हर देशवासी के लिए एक और वजह से ऐतिहासिक है। आज भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती है। राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस है। मैं सभी देशवासियों को और खासतौर पर अपने आदिवासी भाई-बहनों को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई देता हूं। मंच पर नीतीश कुमार ने कहा अब एनडीए का साथ नहीं छोड़ेंगे अपने भाषण में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर साफ किया कि वह अब एनडीए का साथ नहीं छोड़ेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि हम हमेशा के लिए इनके साथ रहेंगे। बीच में गलती हुई थी। हमारे कुछ लोगों ने गलती कर दी। तो इधर-उधर चले गए थे। मगर बीजेपी के साथ वे 1995 से हैं। अटल बिहारी वाजपेयी के जमाने से वे साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी को भरोसा दिलाया कि वह अब कहीं नहीं जाएंगे और एकजुट रहेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने भाषण में कहा कि 2007 में हमने पटना में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा लगवाई थी। हर साल बिरसा मुंडा की जयंती पर राजकीय समारोह का आयोजन होता है। एनडीए की सरकार ने जनजातीय विकास में कई काम किए। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी समाज के नायक थे, जिन्होंने जनजातीय समाज के लिए संघर्ष किया था। उनका जन्म रांची में हुआ था। अभी रांची झारखंड में है, लेकिन उस समय बंगाल, बिहार, उड़ीसा सभी एक ही राज्य थे।

जल शक्ति मंत्री ने तरणताल के सौंदर्यीकरण के लिए स्वीकृत किया एक करोड़ का बजट

■ उरई

जल शक्ति मंत्री ने इंदिरा स्टेडियम स्थित तरणताल के सौंदर्यीकरण के लिए एक करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत करने है। इस दिशा में कार्य की शुरुआत के लिए मंत्री के प्रतिनिधि, अरविंद सिंह चौहान व जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने इंदिरा स्टेडियम का दौरा किया और मौके पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्य कल से ही शुरू कर दिया जाए।तरणताल के सौंदर्यीकरण के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण सुधार किए जाएंगे, जिनमें पाथवे, शौचालय, तरणताल के ऊपर शेड, टाइल्स का नवीनीकरण, बाउंड्री वाल, रैनोबेट रंगाई और पुताई आदि कार्य शामिल हैं। यह सुधार न केवल तरणताल की सौंदर्यवृद्धि करेंगे, बल्कि इसे और अधिक सुविधाजनक और आकर्षक भी बनाएंगे।

जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद सिंह चौहान ने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद तरणताल का उपयोग स्थानीय लोगों के लिए और अधिक सुखद तथा आरामदायक होगा। इसके अलावा, तरणताल के आसपास के क्षेत्र में भी स्वच्छता और सुरक्षा के मानकों में सुधार आएगा। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि इस परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया गया है। यह सौंदर्यीकरण योजना जनपद के निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने और जिले की खेल व जल क्रीड़ा के प्रोत्साहन के उद्देश्य से की जा रही है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, क्रीड़ा अधिकारी, कार्यदाई संस्था के अधिकारी मौजूद रहे।

ऐतिहासिक होगा महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद बिरसा मुंडा 150 वी जन्म शताब्दी समारोह।

दो वर्षों तक विभिन्न चरणों में आयोजित किए जाएंगे विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम।

>> भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद बिरसा मुंडा की 150 वी जन्म शताब्दी वर्ष समारोह पर सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा पौधारोपण।

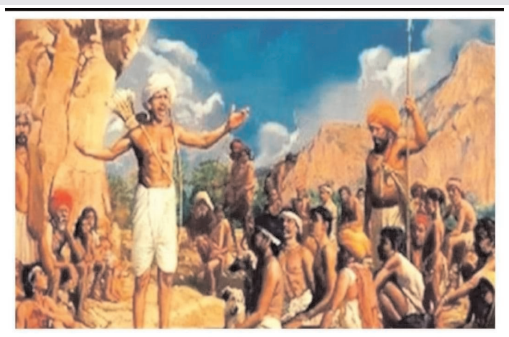

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

चंपारण। भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद बिरसा मुंडा की 150 वी जन्म शताब्दी समारोह पर सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन के सभागार सत्याग्रह भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पौधारोपण भी किया गया।जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ,बुद्धिजीवियों एवं छात्र छात्राओं ने भाग लिया ।इस अवसर पर एंबेसडर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ,डॉ सुरेश कुमार, डॉ शाहनवाज अली, डॉ अमित कुमार लोहिया ,मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक डॉ अमानुल हक, सामाजिक कार्यकर्ता नवीदूं चतुवेर्दी, पश्चिम चंपारण कला मंच की संयोजक शाहीन परवीन ने संयुक्त रूप से कहा कि आज ही के दिन आदिवासियों के मसीहा एवं भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीद बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को हुआ था। सारा जीवन आदिवासियों के उत्थान एवं भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए समर्पित रहा। भारत के इतिहास में बिरसा मुंडा एक ऐसे आदिवासी नायक हैं जिन्होंने अपने क्रांतिकारी विचारों से उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में आदिवासी समाज की दिशा बदलकर आधुनिक सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया। अंग्रेजों द्वारा थोपे गए ब्रिटिश कानूनों को चुनौती देकर बर्बर ब्रिटिश साम्राज्य को स्वाधीनता , मानवता एवं नागरिक अधिकारों के लिए सोचने पर विवश कर दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज मे अंधविश्वासों को समाप्त करते हुए नई जागृति लाने का प्रयास किया था। बिरसा मुंडा ने सभी धर्मों की अच्छाइयों से कुछ न कुछ निकाला और अपने अनुयायियों को उसका पालन करने के लिए प्रेरित किया। 1 अक्टूबर 1894 को नौजवान नेता के रूप में सभी मुंडाओं को एकत्र कर बिरसा ने अंग्रेजों से लगान माफी के लिए आन्दोलन चलाया। 1895 में उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया और हजारीबाग केन्द्रीय कारागार में दो साल के कारावास की सजा दी गयी, लेकिन बिरसा और उसके शिष्यों ने क्षेत्र की अकाल पीड़ित जनता की सहायता करने की ठान रखी थी। उन्हें उस इलाके के लोगों द्वारा धरती बाबा के नाम से पुकारा और पूजा जाता था। उनके प्रभाव की वृद्धि के बाद पूरे इलाके के मुंडाओं में संगठित होने की चेतना जागी। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि 1897 से 1900 के बीच मुंडाओं एवं अंग्रेज सिपाहियों के बीच युद्ध होते रहे और बिरसा और उसके चाहने वाले लोगों ने अंग्रेजों की नाक में दम कर रखा था। अगस्त 1897 में बिरसा और उसके चार सौ सिपाहियों ने तीर कमानों से लैस होकर खूँटी थाने पर धावा बोला। 1898 में तांगा नदी के किनारे मुंडाओं की भिड़ंत अंग्रेज सेनाओं से हुई जिसमें पहले तो अंग्रेजी सेना हार गयी लेकिन बाद में इसके बदले उस इलाके के बहुत से आदिवासी नेताओं की गिरफ़्तारियाँ हुईं। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को शोषण एवं यातना से मुक्ति दिलाने के लिए उन्हें तीन स्तरों पर संगठित करना आवश्यक समझा। पहला तो सामाजिक स्तर पर ताकि आदिवासी-समाज अंधविश्वासों एवं पाखंड के पिंजरे से बाहर आ सके। इसके लिए उन्होंने आदिवासियों को स्वच्छता का संस्कार सिखाया। शिक्षा का महत्व समझाया। सहयोग और सरकार का रास्ता दिखाया। बिरसा मुंडा ने उनके नेतृत्व की कमान संभाली। आदिवासियों ने ह्यबेगारी प्रथाह्न के विरुद्ध जबर्दस्त आंदोलन किया। परिणामस्वरूप जमींदारों और जागीरदारों के घरों तथा खेतों और वन की भूमि पर कार्य रुक गया।आदिवासी अपने राजनीतिक अधिकारों के प्रति सजग हुए। जनवरी 1900 में डोमबाड़ी पहाड़ी पर एक और संघर्ष हुआ था जिसमें बहुत सी औरतें और बच्चे मारे गये थे। उस जगह बिरसा अपनी जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। बाद में बिरसा के कुछ शिष्यों की गिरफ़्तारियाँ भी हुईं। अन्त में स्वयं बिरसा भी 3 फरवरी 1900 को चक्रधरपुर में गिरफ़्तार कर लिये गये। ब्रिटिश हुकूमत ने इसे खतरे का संकेत समझकर बिरसा मुंडा को गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया। वहां अंग्रेजों ने उन्हें धीमा जहर दिया था जिस कारण 9 जून 1900 को बिरसा की मृत्यु हो गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जिस समय महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका में रंगभेदी सरकार के खिलाफ लोगों को एकजुट कर रहे थे, लगभग उसी समय भारत में बिरसा मुंडा अंग्रेजों-शासकों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण लड़ाई लड़ चुके थे। गांधी से लगभग छह साल छोटे बिरसा मुंडा का जीवन सिर्फ 25 साल का रहा। उनका संघर्ष काल भी सिर्फ पांच साल का रहा, लेकिन इसी अवधि में उन्होंने अंग्रेजों-शासकों के खिलाफ जो संघर्ष किया, जिस ने बिरसावाद को जन्म दिया, उसने बिरसा को अमर कर दिया। आज आदिवासियों की जो स्थिति है, आदिवासी समाज की समस्याएं हैं, उसे बिरसा ने सौ-सवा सौ साल पहले भांप लिया था। यह बताता है कि बिरसा कितने दूरदर्शी थे। इस अवसर प्रवक्ताओं ने कहा कि हमें गर्व है कि हमें आदिवासियों के मसीहा एवं महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा 150 वी जन्म शताब्दी वर्ष पर उन्हें स्मरण करने एवं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। अगले 2 वर्षों तक स्कूलों महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में अमर शहीद बिरसा मुंडा के जीवन दर्शन पर विभिन्न चरणों में सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह छोटा सा प्रयास आने वाली नई पीढ़ी के लिए मिल का पत्थर साबित होगा, जिससे नई पीढ़ी अपने पुरखों के त्याग एवं बलिदान को जान सकेगी। जिसका सपना बरसों पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था।

बिहार के बेतिया में अदब की तनकीदी ताबीर पुस्तक का लोकार्पण।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। पुस्तक अदब की तनकीदी ताबीर का 15 नवंबर को यतीमखाना बदरिया बेतिया में बुद्धिजीवियों के बीच लोकार्पण प्रोग्राम हुआ। इस पुस्तक के लेखक डॉ एम आरिफ ने पुस्तक के बारे मे बताया। मुख्य अतिथि डॉ अबु जहीर रब्बानी, कार्यक्रम की अध्यक्षता अजीम एकबाल और संचालन म0 मोहशीन आलम ने किया। जबकि एम ए शकील, डॉ कमरूजमा कमर, सफदर हुसैन, फहीम हैदर इत्यादि ने किताब से संबंधित आलेख पढ़ा और डॉ नसीम अहमद नसीम, डॉ जफर ईमाम, अबुल खैर निस्तर, ईरशाद आलम इत्यादि ने अपना अपना ख्याल इजहार किया। इनके अलावा इस पुस्तक लोकार्पण में पश्चिम चंपारण के लेखक, सायर, बुद्धिजीवियों ने इस पुस्तक के बारे में अपनी अपनी जानकारी साझा की।

संक्षिप्त समाचार

सात्विक-चिराग के तान किम हर, इरवासियाह बैडमिंटन के नए एकल कोच बने

नई दिल्ली। मलयेशिया, थाईलैंड और जापान जैसे देशों के कोच रह चुके तान किम हर ने ही सात्विक-चिराग की जोड़ी बनाई थी। उनकी कोचिंग में भारतीय जोड़ी ने दुनिया भर में अपना दबदबा बनाया। डेनमार्क के मथायस बोए के पेरिस ओलंपिक से हटने के बाद सात्विक-चिराग को नए कोच की तलाश थी। दोनों तान किम के साथ जुड़ना चाहते थे। इन दोनों के कहने पर ही वह फिर से भारत के साथ अनुबंध के लिए तैयार हो गए। उन्हें 10 हजार अमेरिकी डॉलर प्रति माह (लगभग साढ़े 8 लाख रुपये) का वेतन दिया जाएगा। वहीं, भारतीय बैडमिंटन संघ तान किम के अलावा एकल के लिए इंडोनेशियाई दिग्गज कोच इरवासियाह आदी प्रात्मा को नया कोच अनुबंधित करने जा रहा है। प्रात्मा को भी 10 हजार अमेरिकी डॉलर मिलेंगी। इन दोनों के अलावा इंडोनेशिया के एकल कोच डवी क्रिस्टियावान को संघ बरकरार रखने जा रहा है।

इंदौर अंतर विद्यालयीन खुली बैडमिंटन स्पर्धा 22 नवम्बर से

इंदौर। इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन द्वारा इंदौर नगर निगम और मप्र ओलंपिक संघ के तहत आयोजित इंदौर खेलकुंभ अंदर विद्यालयीन खुली बैडमिंटन स्पर्धा 22 से 24 नवम्बर तक नेहरु स्टेडियम बैडमिंटन हाल में होगी, इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन सचिव आर पी सिंह नैयर ने बताया कि स्पर्धा में आठवीं कक्षा तक और नवीं से 12 वीं कक्षा तक के बालक और बालिका एकल मुकाबले होंगे, प्रविष्टियां 20 नवम्बर तक इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन सह सचिव धर्मेश यशलहा, कोषाध्यक्ष विशाल चांदवानी, रुबी नैयर, शालिनी परदेशी को दी जा सकती हैं, सब जूनियर वर्ग में खिलाड़ी आठवीं कक्षा और जूनियर वर्ग में नौवीं से 12वीं कक्षा तक में विद्यालय में अध्ययनरत होना जरुरी हैं।

महिला हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी : भारत की लगातार तीसरी जीत

हरियाणा की 'शेरनी' दीपिका ने मारा 'पंजा'

थाइलैंड के खिलाफ भारत ने दागे एक दर्जन से ज्यादा गोल, सेमीफाइनल के करीब

एजेंसी □ नई दिल्ली

भारत ने गुरुवार 14 नवंबर 2024 को बिहार के राजगीर में थाइलैंड के खिलाफ मैच में 13-0 के बड़े अंतर से जीत हासिल की। दीपिका ने पांच गोल किए। भारत अब लगभग सेमीफाइनल में पहुंच गया है।

भारत ने महिला हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में लगातार तीसरी जीत हासिल की। भारतीय महिला हॉकी टीम ने बिहार के राजगीर में 14 नवंबर 2024 को थाइलैंड को 13-0 से हराया। भारत की ओर से दीपिका कुमारी ने 5 गोल दागे। वह प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं। हरियाणा से ताल्लुक रखने वाली दीपिका ने ही थाइलैंड के खिलाफ भारत का खाता खोला। दीपिका ने साउथ कोरिया के खिलाफ पिछले मैच में भी भारत का खाता खोला था। वह प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं। उनके अलावा भारत की ओर से लालरेम्सियामी देवी, प्रीति दुबे और मनीषा चौहान ने 2-2 गोल किये। भारत ने भले ही इस टूर्नामेंट में अपने तीनों मुकाबलों में जीत हासिल की है, लेकिन चीन के मुकाबले गोल अंतर में वह पीछे है। भारत का गोल अंतर 5 से बढ़कर 14 हो गया है।

अंक तालिका में शीर्ष पर बना चीन

चीन ने भी अब तक अपने तीनों मैच जीते हैं। चीन ने 14 नवंबर को अपने तीसरे मुकाबले में जापान को 2-1 से हराया। भारत के मुकाबले चीन का गोल अंतर भी बहुत ज्यादा है। चीन का गोल अंतर 12 नवंबर तक 20 था जो अब बढ़कर 21 हो गया है। यही वजह है कि चीन एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। भारत अब लगभग सेमीफाइनल में पहुंच गया है, जबकि उसे अभी 2 मैच और खेलने हैं। भारत का अब अगला मुकाबला 16 नवंबर 2024 को चीन से होगा। वह मैच भी भारतीय समयानुसार शाम 4.45 बजे शुरू होगा। भारत बनाम थाइलैंड मैच से पहले मलेशिया ने साउथ कोरिया को 2-1 से हराया। उससे पहले दिन के पहले मैच में चीन ने जापान को मात दी थी।

इंदौर में शमी गेंदबाजी में संघर्ष करते दिखे

होलकर स्टेडियम में 10 ओवर डाले

□ इंदौर

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने करीब एक साल बाद मैदान पर वापसी की। उन्होंने इंदौर के होलकर स्टेडियम में बंगाल की तरफ से खेलते हुए 10 ओवर की बॉलिंग की। हालांकि गेंदबाजी के दौरान वे संघर्ष करते हुए भी दिखाई दिए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर शमी इस मैच में अपनी फिटनेस साबित करते हैं तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू हो रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में चुना जा सकता है। शमी को 25 अक्टूबर को जारी स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया था। शमी ने पहले दिन 10 ओवर में 1 मेडन डालते हुए 34 रन दिए।

यह एक अच्छा रिटर्न

बंगाल के कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने मोहम्मद शमी को लेकर कहा कि 1 साल बाद कोई भी क्रिकेट खेलता है तो चीजें उतनी आसान नहीं होती, लेकिन शमी का फिटनेस लेवल देखकर लगता है कि उन्होंने जो काम किया वह बहुत ही अच्छा किया है। उन्होंने 10 ओवर डाले हैं जिसमें उन्हें देखकर काफी अच्छा लगा, इस दौरान उनकी बॉल भी कैरी हो रही थी। यह अपने आप एक बहुत ही अच्छा रिटर्न है। आज मैच में उसको देखकर लग रहा है कि वह मैच खेलने जा सकता है।

बार्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हो सकता है सिलेक्शन- पिछले करीब छह माह से मोहम्मद शमी बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजर रहे थे। यदि शमी ने रणजी मैच में अपनी फिटनेस साबित की तो वे बार्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में शामिल किए जा सकते हैं।

बंगाल को छोटे स्कोर पर रोका

आज के मैच में आर्यन और कुलवंत के चार-चार विकेट आर्यन पांडे और कुलवंत खेजोरिया के 4-4 विकेट की बदौलत मध्यप्रदेश ने ग्रुप सी के मुकाबले में बंगाल को छोटे स्कोर पर रोक दिया। बंगाल की पहली पारी 51.2 ओवर में 228 रन पर समाप्त हुई। शाहबाज अहमद ने 92, अनस्तुप मजूमदार ने 44 रन बनाए। जवाब में मध्यप्रदेश ने पहली पारी में स्टंप्स तक 30 ओवर में 1 विकेट पर 103 रन बना लिए हैं। सुभ्रांशु सेनापति 44 और रजत पाटीदार 41 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हुए सरफराज खान

एजेंसी □ पर्थ

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच पर्थ में 22 नवंबर से खेला जाना है। इस टेस्ट मैच के लिए टीम इंडिया जमकर अभ्यास कर रही है, लेकिन प्रैक्टिस सेशन के दौरान टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान चोटिल हो गए।

प्रैक्टिस के दौरान सरफराज खान के दाहिनी कोहली पर चोट लगी। इस वायरल वीडियो में सरफराज खान अपनी कोहली को पकड़कर नेट से बाहर निकलते हुए दिख रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक चोट लगने के बाद उन्हें अन्य किसी तरह की परेशानी ना हो इसकी वजह से वो नेट छोड़कर चले गए। वहीं बाद में सरफराज खान को टीम के अन्य सदस्यों के साथ वक्त बिताते हुए देखा गया और उन्होंने शुभमन गिल से लंबी बातचीत भी की। सरफराज खान 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले टेस्ट मैच में प्लेइंग इलेवन के दावेदार भी हैं। सरफराज खान नंबर 6 के लिए परफेक्ट हैं, लेकिन उन्हें केएल राहुल और ध्रुव जुरैल से कड़ी टक्कर मिल सकती है। हालांकि सरफराज पहले टेस्ट मैच का हिस्सा होंगे या नहीं इस पर आखिरी फैसला टीम मैनेजमेंट को करना है। वहीं सरफराज को टीम में जगह मिलेगी या नहीं ये रोहित शर्मा की उपलब्धता पर भी निर्भर करता है।

हमने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में आक्रामक प्रदर्शन किया-सूर्यकुमार

एजेंसी □ सेंचुरियन

भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि हमने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में आक्रामक प्रदर्शन का परिचय दिया है और इस जीत से मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने तिलक वर्मा की शानदार शतकीय पारी के लिए सराहना करते हुए कहा कि अवसर को भुनाते हुए तिलक ने खुद को साबित किया।

सेंचुरियन मैच जीतने के बाद पत्रकारों से बातचीत में सूर्यकुमार ने कहा कि आज और परसों टीम बैठक में जो हमने चर्चा की हमने उसे अमली जामा पहनाया। मैं खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेदह खुश हूं। हमने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में आक्रामक शैली का परिचय दिया। उन्होंने खुलासा किया कि पिछले मैच के बाद ही तिलक ने मेरे से आकर बात की थी कि उन्हें नंबर तीन पर मौका चाहिए और मैंने भी सोचा कि उन्हें मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, वह (तिलक वर्मा) गकेबरहा में मैच समाप्त होने के बाद मेरे कमरे में आए थे और कहा कि मुझे तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करने का मौका दीजिए। मैं टीम में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैंने कहा जाओ और खुद को साबित करो। उसने जो कहा था वह कर दिखाया है। उनके और उनके परिवार के लिए आज बहुत खुशी का दिन है।

ऐसी पारी खेलकर मैं खुश हूं-तिलक

प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए तिलक वर्मा ने कहा कि मेरे पास शब्द नहीं हैं, यह सीरीज के लिहाज से भी अहम मैच था इसलिए ऐसी पारी खेलकर मैं खुश हूं। इसका पूरा श्रेय कप्तान सूर्यकुमार यादव को जाता है। उन्होंने मुझे मैच से पहले कहा था कि मैं नंबर तीन पर बल्लेबाजी कर सकता हूं इसलिए वह नंबर चार पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। हम अपने ऊपर दबाव नहीं लेते हैं, टीम मैनेजमेंट हर खिलाड़ी को बैक करता है।

रणजी ट्रॉफी : बड़ौदा ने मेघालय को पारी और 261 रनों से हराया

एजेंसी □ विजयवाड़ा

सलामी बल्लेबाज ज्योत्सनील सिंह (121) और शाश्वत रावत (121) की शतकीय पारियों के बाद ऑफ स्पिनर महेश पिथिया और निनाद राठवा की शानदार गेंदबाजी के दम पर बडौदा ने गुरुवार को रणजी ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में मेघालय को पारी और 261 रनों से हरा दिया है।

मेघालय ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बडौदा के स्पिनर महेश पिथिया ने 25 रन देकर छह विकेट लेकर घातक गेंदबाजी की। बल्लेबाजी करने उतरी मेघालय की टीम पूरी टीम 36.5 ओवर में महज 103 के स्कोर पर समेट गई। मेघालय की ओर से आकाश चौधरी ने सबसे अधिक (40) रन बनाये। उसके बाद अजय दुहान ने (20) और सुमित कुमार (12) रन बनाकर आउट हुए। बडौदा के लिए महेश पिथिया ने छह, भार्गव भट्ट ने दो विकेट चटकाये। कुणाल पंड्या और निनाद राठवा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। उसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी बडौदा ने ज्योत्सनील सिंह (121) और शाश्वत रावत (121) रनों की शतकीय पारियों और मितेश पाटे (52) के अर्धशतक, शिवालिक शर्मा (42) और निनाद राठवा (नाबाद 33) के योगदान से 71.3 ओवर में 442 का बड़ा स्कोर खड़ा कर 339 रनों की बढ़त ले ली। मेघालय की ओर से बिजोन डे और दिप्पू संगमा ने तीन-तीन विकेट लिये। आकाश चौधरी, आर्यन बोरा, अजय दुहन और बालचंदर अनिरुद्ध ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी मेघालय की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। बडौदा के गेंदबाजों ने मेघालय की पूरी टीम को 17.5 ओवर में 78 रन पर समेट कर मुकाबला पारी और 261 रनों से जीत लिया।

मोयरा कप अंडर-18 क्रिकेट स्पर्धा

हर्ष व आदित्य की शतकीय पारी से श्रीराम स्पोर्ट्स की विशाल जीत

□ इंदौर

देव्ज क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित एवं मोयरा ग्रुप द्वारा प्रायोजित मोयरा कप अंडर-18 स्पर्धा के अंतर्गत आज एस.वी.सी.ए. एवं एमवायसीसी के मध्य जिमखाना मैदान पर खेला गया जिसमे मोयरा ग्रुप में डॉयरेक्टर संदिप जैन ने खिलाडीयों का परिचय प्राप्त किया । मैच में एस.वी.सी.ए. ने पहले खेलते हुए 33.4 ओवरो में सभी विकेट खोकर 107 रन बनाए । वेंदात पाठक ने सर्वाधिक 28 रनों का योगदान दिया । एमवायसीसी की ओर से रशदीप सिंह ने 4 विकेट लिये । जवाब में एमवायसीसी की टीम ने 11.2 ओवरो में 108 बनाकर यह मैच 8 विकेट से जीत लिया । एमवायसीसी की ओर से मेहुल मिश्रा ने सर्वाधिक 63 रनों का योगदान दिया । फोटो - श्री संदिप जैन खिलाडियों से परिचय प्राप्त करते हुए ।

एमपीसीए ए ग्रेड अंडर-15 क्रिकेट स्पर्धा- आईडीसीए द्वारा आयोजित एवं एमपीसीए द्वारा प्रायोजित एमपसीए ए ग्रेड अंडर-15 स्पर्धा के अंतर्गत आज आबीसीएफ एवं एमकेसीसी के मध्य मैच खेला गया जिसमें एमकेसीसी ने पहले खेलते हुए 33.2 ओवरो में सभी विकेट खोकर 63 रन पर सिमट गई। आबीसीएफ की ओर से अरीन ओझा ने 5 विकेट तथा अराध्य व अर्णव ने 2-2 विकेट लिये। जवाब में आबीसीएफ की टीम ने 24.2 ओवरो में 1 विकेट खोकर 64 रन बना लिये और यह मैच आबीसीएफ ने 9 विकेट से जीत लिया।

दूसरे मैच में आज संजय लुणावत फाउंडेशन एवं राऊ क्रिकेट एकेडमी के मध्य मैच खेला गया जिसमें राऊ क्रिकेट एकेडमी ने पहले खेलते हए निर्धारत 44.3 ओवरो में सभी विकेट खोकर 230 रन बनाये । नैतिक पांचाल ने सर्वाधिक 53 रनों का योगदान दिया, वही ईशमित सिंह ने 4 विकेट लिये। जवाब में संजय लुणावत फाउण्डेशन की टीम ने 39.1 ओवरो में सभी विकेट खोकर 120 रन ही बना सकी और यह मैच राऊ क्रिकेट एकेडमी ने 110 रनो से जीत लिया । समर सिसोदिया ने सर्वाधिक 61 रनों का योगदान दिया । सिध्दार्थ, रोहित व आयुष ने 2-2 विकेट लिए।

तीसरे मैच में आज एल.एस.जी.सी.ए. एवं इन्दौर कोल्टस् के मध्य मैच खेला गया जिसमें एल.एस.जी.सी.ए. ने पहले खेलते हए निर्धारत 48.3 ओवरो में सभी विकेट खोकर 163 रन बनाए। रिदित सिसोदिया ने सर्वाधिक 33 रनों का योगदान दिया, वही भव्य चोयल ने 3 विकेट लिए। जवाब में इन्दौर कोल्टस् की टीम ने 32.4 ओवरो में 2 विकेट खोकर 167 रन लिए सकी और यह मैच इन्दौर कोल्टस् ने 8 विकेट से जीत लिया । इन्दौर कोल्टस् की ओर से भव्य चोयल ने शानदार 108 रनो की शतकीय पारी खेली।

भारत का कुमामोटो मास्टर्स में सफर समाप्त

पीवी सिंधु को मिशेल ली ने हराया

एजेंसी □ कुमामोटो (जापान)

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु के महिला एकल के राउंड ऑफ 16 में कनाडा की मिशेल ली से हार के साथ भारत का कुमामोटो मास्टर्स टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मुकाबले की शुरुआत अच्छी की, लेकिन अपनी लय को बनाए नहीं रख पाईं और उन्हें मिशेल ली से 21-17, 16-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। पहले गेम में सिंधु ने अपनी लंबाई का फायदा उठाकर आक्रामक खेल दिखाया और मिड-गेम ब्रेक तक चार अंकों की बढ़त बनाई। मिशेल ली ने इसे 15-13 के स्कोर से अंतर कम किया, लेकिन सिंधु ने जल्दी ही नियंत्रण वापस पाकर पहला गेम जीत लिया। कॉमनवेल्थ गेम्स की पूर्व चैंपियन मिशेल ली ने दूसरे गेम में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंधु को परेशान किया। सिंधु 8-3 से पीछे थीं लेकिन उन्होंने वापसी कर स्कोर 9-9 पर बराबर किया और हाफ टाइम के बाद भी मुकाबले में बनी रहीं। हालांकि, ली ने आखिरी आठ में से छह अंक जीतकर खेल को निर्णायक गेम तक खींचा। अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। हालांकि, 17-16 की बढ़त बनाने के बाद सिंधु लगातार पांच अंक गंवाकर मैच हार गईं।

टी20 मैच बारिश की वजह से 7-7 ओवर का खेला गया मैच

पाकिस्तान को पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने 29 रन से हराया

एजेंसी □ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच 3 मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच ब्रिस्बेन के गाबा में खेला गया। बारिश की वजह से ये मैच 7-7 ओवर का खेला गया और इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और फिर कंगारू टीम ने पहले खेलते हुए 7 ओवर में 4 विकेट पर 93 रन बनाए।

पाकिस्तान को जीत के लिए 94 रन का टारगेट मिला था और ये टीम 7 ओवर में 9 विकेट पर 64 रन ही बना पाई और उसे 29 रन से हार मिली। इस जीत के साथ कंगारू टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के लिए ग्लेन मैक्सवेल ने सर्वाधिक 43 रन की पारी खेली जबकि नाइन एलिस ने 2 ओवर में 9 रन देकर 3 विकेट लिए और पाकिस्तान की हवा निकाल दी। ग्लेन मैक्सवेल को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पाक कप्तान रिजवान डक पर आउट

पाकिस्तान का पहला विकेट साहिबजदा फरहान के रूप में गिरा जो 8 रन पर आउट हो गए जबकि कप्तान मोहम्मद रिजवान खाता भी नहीं खोल पाए और डक पर आउट हुए। उस्मान खान 4 रन, बाबर आजम 3 रन जबकि इरफान खान डक पर आउट हो गए। आगा सलमान 4 रन जबकि हसीबुल्ला 12 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे। शाहीन अफरीदी 11 रन पर आउट हुए जबकि अब्बास अफरीदी 20 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से नाथन एलिस और जेवियर बार्टलेट ने 3-3 विकेट लिए जबकि एडम जंपा ने दो तो वहीं स्पेंसर जॉनसन ने एक सफलता हासिल की।

मैक्सवेल ने खेली 43 रन की पारी

ऑस्ट्रेलिया की टीम को पहला झटका नसीम शाह ने दिया और उन्होंने जैक फ्रेजर को 9 रन के स्कोर पर आउट कर दिया। मैट शॉर्ट के रूप में इस टीम ने दूसरा विकेट गंवाया और उन्होंने इस मुकाबले में 7 रन की पारी खेली। मैक्लवेल ने टीम के लिए तेज पारी खेली और उन्होंने 19 गेंदों पर 43 रन बनाए। इस टीम का चौथा विकेट टिम डेविड के रूप में गिरा जिन्होंने 10 रन की पारी खेली। स्टोइनिस 7 गेंदों पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे तो वहीं पाकिस्तान की तरफ से अब्बास अफरीदी को दो जबकि शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को एक-एक विकेट मिला।

वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ 9 मैच खेलेगी भारत

नवी मुंबई, बड़ौदा और राजकोट में होंगे मुकाबले, 15 दिसंबर से शुरू होगी सीरीज

एजेंसी □ नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप के बाद भारतीय महिला टीम के लिए बीसीसीआई ने 2 और टीमों से सीरीज रख दी है। टीम अब दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ और अगले साल जनवरी में आयरलैंड के खिलाफ व्हाइट बॉल की सीरीज खेलेगी। भारत ने इससे पहले टी-20 वर्ल्ड चैंपियन न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे की सीरीज 2-1 से जीती थी। वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ 9 मुकाबले 15 दिसंबर से शुरू हो कर 15 जनवरी तक चलेंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों फॉर्मेट की सीरीज- इंडिया विमेंस टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे और 3 टी-20 की सीरीज खेलनी है। 15, 17 और 19 दिसंबर को 3 टी-20 नवी मुंबई में होंगे। सभी मैच शाम 7 बजे से शुरू होंगे। वहीं 22, 24 और 27 दिसंबर को 3 वनडे बड़ोदा में होंगे। 2 मैच दोपहर 1.30 बजे शुरू होंगे, वहीं आखिरी मैच सुबह 9.30 बजे शुरू हो जाएगा।

आयरलैंड से 3 वनडे अगले साल- वेस्टइंडीज के बाद टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ 3 वनडे खेलेगी। तीनों मुकाबले राजकोट में दोपहर 11 बजे से शुरू होंगे। मैच 10, 12 और 15 जनवरी को खेले जाएंगे।

विश्व कप के बाद न्यूजीलैंड को हराया- भारतीय महिला टीम टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज को पार नहीं कर सकी। टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। जिसके बाद टीम सेमीफाइनल में भी एंट्री नहीं कर सकी। टूर्नामेंट के बाद भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में 3 वनडे खेले। सीरीज 2-1 से भारत के नाम रही।

संपादकीय

झुकी योगी सरकार

उत्तर प्रदेश में चार दिन से चल रहे छात्रों के आंदोलन के बाद उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग यानी यूपीपीएससी ने छात्रों की एक मांग मान ली है। आयोग ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को एक शिफ्ट में कराने का फैसला किया है, लेकिन आरओ-एआरओ पर महज आश्वासन दिया है। छात्रों की मांग है कि पीसीएस परीक्षा की तरह ही आरओ-एआरओ की परीक्षा भी एक शिफ्ट में कराई जाए। इसके लिए छात्र मौखिक आश्वासन नहीं चाहते। इसलिए प्रदर्शनकारी अभी आंदोलन खत्म करने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। अपनी एक मांग मनवाने के लिए छात्रों को चार दिन आंदोलन करना पड़ा। इस दौरान छात्रों पर बल प्रयोग किया गया। लेकिन छात्र अपनी मांग से पीछे नहीं हटे। अंततः योगी सरकार को झुकना पड़ा है। अगर शुरू में सरकार छात्रों की मांग मान लेती तो छात्रों को चार दिन तक आंदोलन नहीं करना पड़ता। सरकार को छात्रों के साथ बात करके कोई हल निकाल लेना चाहिए था। लेकिन सरकार की हठधर्मी की वजह से ऐसा नहीं हो सकता और आखिरकार छात्रों को सड़क पर आना पड़ा। जाहिर है, छात्र मजबूरी में ही सड़क पर आए होंगे। अब छात्रों का कहना है कि आरओ-एआरओ परीक्षा के लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित करने का आश्वासन देकर आयोग प्रतियोगी छात्रों को बरगला नहीं सकता है। दोनों परीक्षाओं को एक दिन एक शिफ्ट में कराने की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया गया था। आयोग ने एक ही परीक्षा की मांग मानी है, जबकि आरओ एआरओ परीक्षा को एक दिन में कराने के लिए कोई फैसला नहीं किया है। छात्रों की मांग सही है। उनका आंदोलन दोनों मांगों के लिए था। आयोग अगर छात्रों की मांग नहीं मानता है तो आंदोलन लंबा भी चल सकता है। आरओ/एआरओ परीक्षा में 1076004 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं, जिनकी संख्या पीसीएस परीक्षा के मुकाबले कहीं अधिक है। आयोग का कहना है कि पर्याप्त संख्याा में परीक्षा केंद्र उपलब्ध न होने के कारण एक से अधिक दिनों में परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया था और इन परिस्थितियों में प्रसामान्यीकरण (नॉर्मलाइजेशन) की प्रक्रिया को अपनाया गया, जिसे सिविल अपील उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य बनाम अतुल कुमार द्विवेदी व अन्य में सात जनवरी 2024 को पारित उच्चतम न्यायालय के निर्णय में उचित माना गया है। सरकार के अपने तर्क अपनी मजबूरियां हो सकतीं हैं, लेकिन उसे छात्रों का हित भी देखना चाहिए।

दोनों परीक्षाओं को लेकर यूपी सरकार के अपने तर्क, अपनी मजबूरियां हो सकतीं हैं, लेकिन उसे छात्रों का हित भी देखना चाहिए। उन्हें सड़कों पर आने का शौक नहीं है।

पाठकवाणी

उत्तराखंड बना पहला राज्य

शीर्ष न्यायालय द्वारा राज्य सरकारों को आरक्षण में उपवर्गीकरण के जो दिशा-निर्देश दिए थे, उसे लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन गया है। उपवर्गीकरण आरक्षण पर राजनीतिक दलों द्वारा बेतुके तर्क दिए जा रहे हैं। यही नहीं, इन दलों द्वारा आरक्षित वर्गों के लोगों को प्रदर्शन के लिए भी उकसाया जा रहा है। यह बेहद घटिया राजनीति है। इसके विरोध में जो लोग खड़े हैं, वे वहीं हैं, जिन्होंने आरक्षण की मलाई का सबसे अधिक मजा चखा है और चख रहे हैं। संविधान में जिन वंचितों और अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उद्धार के लिए आरक्षण का प्रवधान रखा गया था, वह उद्देश्य स्वतन्त्रता के 77 वर्ष बाद भी पूरा होता दिखाई नहीं दे रहा। उपवर्गीकरण के विरोधियों का कहना है कि इससे वर्गीय एकता को ठेस पहूंचेगी और वर्ग के अंदर ही द्वेष की भावना पनपेगी। इस पर यह प्रश्न भी उठना स्वाभाविक है कि जब जाति के नाम पर आरक्षण का निर्धारण किया गया था तो तब यह आशंका क्यों नहीं उठाई गई कि जातिगत आरक्षण से विभिन्न जातियों के बीच द्वेषभाव पनपने के साथ-साथ धार्मिक एकता को भी ठेस पहुंचेगी। आरक्षण यदि सुपात्र तक नहीं पहूंचा तो यह अपने उद्देश्य से भटक जाएगा अतः उपवर्गीकरण आरक्षण बहुत आवश्यक है। इसके विरोधियों को सोचना चाहिए कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं?

-डॉ नरेन्द्र टोंक, मेरठ

कुछ खास

मेरी राजनीति अलग है। मैं सिर्फ इसलिए इसका (बटेंगे तो कटेंगे) समर्थन नहीं करूंगी, क्योंकि मैं उसी पार्टी से हूं। हमें सिर्फ विकास पर काम करना चाहिए। इसलिए हमें महाराष्ट्र में इस तरह का कोई मुद्दा लाने की जरूरत नहीं है।

-पंकजा मुंडे, भाजपा नेता

आज का ट्वीट

''मध्य प्रदेश में एक दलित का कुर्सी पर बैठना मयंक द्विवेदी नाम के ब्राह्मण को ऐसा चुभा जैसे वह द्विवेदी की छाती पर बैठा हो। हिंदुओं एक हो जाओ। लेकिन कुर्सी पर कौन बैठेगा, ये ब्राह्मण तय करेगा।''

-मुकेश मोहन

साइबरवर्ल्ड

नेहरू की विरासत बढ़ाते राहुल

14 नवम्बर पंडित जवाहरलाल लाल नेहरू का जन्मदिन है, जिसे बाल दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। नेहरू बच्चों के चहेते चाचा रहे हैं। आज उनकी विरासत को उनका नाती राहुल आगे बढ़ाने की पुरजोर कोशिश में लगा है। वस्तुतः पंडित मोतीलाल नेहरू और महात्मा गांधी के साथ आजादी का इतिहास जुड़ा हुआ है। वे महात्मा गांधी के पक्के दोस्त थे। इस दोस्ती की बदौलत जवाहरलाल नेहरू गांधी के अनन्य अनुरागी बने। मोतीलाल नेहरू प्रयागराज के एक प्रसिद्ध अधिवक्ता एवं ब्रिटिशकालीन राजनेता थे। वे भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री जवाहरलाल नेहरू के पिता थे। वे भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के आरम्भिक कार्यकर्ताओं में से थे। जलियांवाला बाग काण्ड के बाद 1919 में अमृतसर में हुई कांग्रेस के वे पहली बार अध्यक्ष बने और फिर 1928 में कलकत्ता में दोबारा कांग्रेस के अध्यक्ष बने। धीरे-धीरे इस परिवार पर कहते हैं देश पर नेहरू-गांधी परिवार ने कब्जा कर लिया। आजादी से बाद से अधिकतर समय तक कांग्रेस पार्टी का शासन रहा है और उसमें भी नेहरू-गांधी परिवार के लोग ही प्रधानमंत्री बनते रहे। हालांकि नेहरू की इच्छानुसार लाल बहादुर शास्त्री जी प्रधानमंत्री बनाए गए। उसके बाद नेहरू की इकलौती लाडली बेटी इंदिरा को लोकतांत्रिक तरीके से जो सफलता जनता ने दिलाई वह महत्वपूर्ण है। इंदिरा गांधी हत्या के राजीव गांधी को देश का प्रधानमंत्री बना शीर्ष सत्ता पर काबिज करा दिया। इस दौरान उन्होंने देश को तकनीकी क्षेत्र, ग्राम्य क्षेत्र में शिक्षा, कंप्यूटर क्रांति में विशेष योगदान दिया। तमिल लोगों के हित में शांति सेना भेजने से श्रीलंका के तमिलों की नासमझी की वजह से उनकी भी हत्या कर दी। नरसिंह राव और मनमोहन सिंह ने उनके बाद कांग्रेस को सत्ता में बनाए रखा। वर्तमान में कोई गांधी कांग्रेस अध्यक्ष नहीं है। दस वर्ष से सत्ता पर भाजपा बैठी है। गांधी परिवार का दूर-दूर तक नहीं नजर आता। मगर बलशाली भाजपा आज भी नेहरू गांधी परिवार को कोसे जा रही है। जिस परिवार से दो लोग शहीद हुए हों उस परिवार का चिराग आज निडर होकर विरासत बचाने निकल पड़ा है।

-**सुसंस्कृति परिहार** की फेसबुक वॉल से

क्या विश्व में चल पाएगा 'ट्रंप' कार्ड

शाहीन सबा

अमेरिका के 130 साल से अधिक के इतिहास में एकदम विपरीत परिस्थितियों में राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत कर रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप ने यह साबित कर दिया है कि वे कुशल रणनीतिकार भी हैं। उनके खिलाफ भारतीय मूल की डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी कमला हैरिस थीं। पूरा अमेरिकी मीडिया अपने चुनावी सर्वे में अंत तक दावा करता रहा कि कमला हैरिस ही जीत रही हैं, लेकिन जब परिणाम आए तो डोनाल्ड ट्रंप विजेता घोषित किए गए। इसके पूर्व वह वर्ष 2016 में अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने डेमोक्रेटिक प्रत्याशी हिलेरी बिल क्लिंटन को पराजित किया था, लेकिन 2020 में जो बाइडेन से पराजित हो गए थे। इस बार भी परिस्थितियां ऐसी थीं कि उन पर कोर्ट में मुकदमे चल रहे थे, ह्वाइट हाउस के गोपनीय कागज अपने पास रखने का आरोप था, लेकिन इन सबके बावजूद वह अमेरिकी जनता के समक्ष स्वयं को ज्यादा प्रभावशाली साबित करने में सफल रहे। अब तक के अमेरिका के इतिहास में वह 76 वर्ष के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति हैं।

यह निर्विवाद है कि समूची दुनिया में अमेरिका सबसे ज्यादा प्रभावशाली है। पूरे विश्व में अमेरिकी डॉलर में ही व्यापार होता है। जाहिर है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में पूरी दुनिया की नजर रहती है।

भारत-अमेरिका के बीच अगर मित्रता प्रगाढ़ नहीं हुई तो कम से कम कोई मतभेद भी पैदा नहीं होंगे। यह जरूर है कि ट्रंप ने अगर रोजगार मामले में अमेरिकियों को ही वरीयता देने की घोषणा पर अमल किया तो इससे भारतीय भी प्रभावित होंगे जो वहां जाकर नौकरियां हासिल करने का प्रयास करना चाहते हैं।

राष्ट्रपति बदलने के साथ ही सरकार की नीतियां भी प्रभावित होती हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति का निर्णय ही अंतिम होता है, ऐसे में सभी की नजरें अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर होना स्वाभाविक है। यह तो तय है कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के कई राष्ट्र प्रभावित होंगे। हम सबसे पहले भारत के ही परिप्रेक्ष्य में डोनाल्ड ट्रंप को देखते हैं। आजादी के बाद से ही भारत पहले सोवियत संघ और बाद में रूस का निकट सहयोगी है। चाहे वैश्विक व्यापार का मामला हो या सुरक्षा का, भारत ने अन्य देशों की तुलना में रूस को ही वरीयता दी है। रूस-यूक्रेन में जारी जंग के दौरान अमेरिका ने जो प्रतिबंध रूस पर लगाये थे, भारत ने उन्हें नहीं माना और रूस के साथ उसकी व्यापारिक गतिविधियां जारी रहीं। ट्रम्प ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान एक और घोषणा की थी वह यह कि वे बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का विरोध करते हैं। यानि उनके मन में कहीं न कहीं हिंदुओं के प्रति सहानुभूति है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका में रह रहे सऊदी अरब और कई अन्य मुस्लिम देशों के लोग भी उनका समर्थन कर रहे हैं और उनके पक्ष में मतदान करेंगे। ऐसा हुआ भी हो, इस सम्भावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

भारत ने रूस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों को भले ही दरकिनार कर दिया हो, लेकिन प्रतिक्रिया में अमेरिका ने भारत के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया। दोनों देशों के बीच ठीकठाक सम्बंधों का दौर जारी है। इस बात पर भी विचार करना जरूरी है कि ट्रंप सत्ता संभालने के बाद अमेरिका-भारत सम्बंधों को कौन सा आयाम देना चाहेंगे। ट्रम्प को अपने पिछले चार साल के पहले कार्यकाल का भरपूर अनुभव है। यूं तो अमेरिका ने अधिकांश मौकों पर पाकिस्तान का साथ दिया है, लेकिन प्रत्यक्ष रूप से भारत से तनातनी भी नहीं की है। दरअसल, अमेरिका एशिया महाद्वीप में भी अपना प्रभाव स्थापित करना चाहता है लेकिन चीन उसकी आंख की किरकिरी है। अगर एशिया में उसे अपना दखल रखना है तो भारत से ज्यादा ताकतवर ऐसा कोई देश नहीं है जो अमेरिका के मंसूबों को पूरा करने में सहायक बन सके। भारत और चीन के बीच वर्ष 1962 की जंग के बाद से स्थिति सामान्य नहीं हो सकी। चीन ने जिस भारतीय भूमि पर कब्जा कर लिया, उसे लेकर सीमा विवाद यथावत कायम है। इसके अलावा भी चीन आए दिन नए-नए विवाद पैदा करता रहता है। भारत को रूस का समर्थन हासिल है लेकिन वह अमेरिका जैसी महाशक्ति के साथ कोई विवाद नहीं पैदा करना चाहेगा। उम्मीद यह की जा सकती है कि भारत-अमेरिका के बीच अगर मित्रता प्रगाढ़ नहीं हुई तो कम से कम कोई मतभेद भी पैदा नहीं होंगे। यह जरूर है कि ट्रंप ने अगर रोजगार मामले में अमेरिकियों को ही वरीयता देने की घोषणा पर अमल किया तो इससे भारतीय भी प्रभावित होंगे जो वहां जाकर नौकरियां हासिल करने का प्रयास करना चाहते हैं। लेकिन ट्रम्प की यह नीति सिर्फ भारत के लिए नहीं बल्कि समूचे विश्व के लिए है।

अब वैश्विक परिदृश्य पर नजर डालते हैं। विश्व में इस समय दो बड़े युद्ध चल रहे हैं। पहला है रूस और यूक्रेन का युद्ध और दूसरा है इस्राइल और हमास का युद्ध। ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह रूस-यूक्रेन जंग समाप्त कराएंगे। उन्होंने देश की महंगाई जैसी समस्या को नेपथ्य में कर यूक्रेन की मदद करने के लिए मौजूदा बाइडेन सरकार की आलोचना भी की थी। यहां यह बात ध्यान में रखनी होगी की इस युद्ध में अमेरिका यूक्रेन को हथियारों के अलावा अन्य तमाम तरह की मदद कर रहा है। संभावना है कि ट्रम्प के सत्ता संभालने के बाद इस मदद पर रोक लगा दी जाए। ऐसे में यूक्रेन को हथियार डालने होंगे। लेकिन इससे रूस का वर्चस्व बढ़ेगा और अमेरिका कतई ऐसा नहीं करना चाहेगा। चुनाव जीतते ही ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन को युद्ध बंद करने की चेतावनी दी थी लेकिन पुतिन ने इसे हवा में उड़ा दिया। इसके विपरीत रूस-यूक्रेन के बीच और तगड़े हमले शुरू हो गये। देखना यह होगा कि सत्ता संभालने के बाद ट्रम्प किस रणनीति से इस जंग को समाप्त करा सकेंगे। जहां तक हमास और इस्राइल की जंग का सवाल है, यह सर्वविदित है कि पश्चिमी देश इस्राइल के मददगार रहे हैं वहीं मुस्लिम देश हमास कहिये या फिलस्तीन का समर्थन करते हैं।

सबसे ज्यादा अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर पाकिस्तान की निगाह रहती है, क्योंकि अमेरिका से ही उसे आर्थिक और यौद्धिक सहायता मिलती है। कभी ट्रंप ने पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को दोस्त कहा था। ऐसे में उनकी पार्टी के लोग इस उम्मीद से है कि ट्रंप इमरान खान को जेल से मुक्त कराने में मदद करेंगे। पाकिस्तान को आशंका है कि अगर ट्रंप ने इमरान का साथ देना चाहा तो वह उसकी आर्थिक मदद बंद भी कर सकता है। इसी तरह बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद को भी उम्मीद है कि ट्रंप ने जिस तरह हिंदुओं की हिमायत की है, वह उनकी भी मदद कर सकते हैं। लेकिन क्या ट्रंप इन मामलों में दखलंदाजी करेंगे, इसका अनुमान फिलहाल नहीं लगाया जा सकता। यह जरूर है कि अमेरिका जिस तरह एशिया महाद्वीप में स्वयं को स्थापित करना चाहता है अगर ट्रंप भी उसी राह पर चले तो जरूर कुछ न कुछ तो करेंगे। बहरहाल अभी सभी कुछ भविष्य के गर्त में है। 20 जनवरी 2025 को ट्रम्प सत्ता संभालेंगे, इसके बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका की नीतियां क्या होंगी और अगले चार साल में क्या-क्या वैश्विक परिवर्तन होंगे।

अमृतवाणी

ईश्वर का नाम

कान्यकुब्ज देश में अजामिल नामक एक ब्राह्मण रहता था। पहले वह बहुत सदाचारी था तथा सदैव धर्म कर्म के कार्यों में लिप्त रहता था किन्तु एक दासी के संग रहने के कारण उसमें चोरी, ठगी, बेईमानी और दुराचार के दुर्गुण विद्यमान हो गए थे। दासी से उसके दस पुत्र थे तथा वह आजीवन उस परिवार के भरण पोषण में लगा रहा तथा परिवार के भरण पोषण के लिए ही उसने सभी प्रकार से दुराचरण किया। अजामिल के सबसे छोटे पुत्र का नाम नारायण था। मृत्यु का समय आने पर जब यमदूतों ने आकर उसका धर दबोचा तो अभ्यासवश उसके मुख से अपने छोटे पुत्र का नाम निकल गया क्योंकि उसने सहायता के लिए अपने छोटे बेटे को पुकारा था तथा कहा था- 'नारायण'। नाम सुनते ही भगवान विष्णु के दूत वहां उपस्थित हो गए जिस कारण धर्मराज और भगवान विष्णु के दूतों में विवाद छिड़ गया। यम के दूतों का कहना था कि वह व्यक्ति आजीवन पापकर्मों में रत रहा, चोरी, ठगी और दुराचरण करता रहा, अतः इसके कर्मों का दण्ड दिलाने के लिए इसे धर्मराज के पास ले जाना आवश्यक है। भगवान विष्णु के दूतों का कहना था कि जीवन भर पाप करते रहने पर भी अंतिम समय पर इसने भगवान के नाम का स्मरण किया है तथा 'नारायण' को स्मरण करके सहायता की गुहार की है, यही इसका सबसे बड़ा प्रायश्चित है। चोरी, मद्यपायी, ब्रह्महत्या करने वाला, गुरु स्त्रीगामी तथा पितृहन्ता का प्रायश्चित भगवान विष्णु का नाम जप लेना ही बताया गया है, क्योंकि अजामिल ने भगवान के नाम का स्मरण करके अपना प्रायश्चित कर लिया है, इसलिए अब यह दण्ड का भागी नहीं रहा। यमदूतों ने भगवान विष्णु के दूतों का तर्क सुना तो वे पूर्ण रूप से भगवान विष्णु के दूतों से सन्तुष्ट हो गए तथा उन्होंने अजामिल को मृत्युपाश से मुक्त कर दिया। अजामिल को जब होश आया तो उसे भगवान की शक्ति के प्रसाद का ज्ञान हुआ तथा वह भक्ति की महिमा से इतना प्रभावित हुआ कि उसने तभी से भगवान की भक्ति प्रारम्भ कर दी।

तीखी नजर

मंगतूराम की खुशी का राज

डॉ मनमोहन यादव

देश के मर्धून्य कवियों, अकेलेपन और गहरी चिंताओं से जूझ रहे मनोरोगी बुजुर्ग एवं मनोरोग विभाग के लिए बहुत ही राहत और खुशखबरी का विषय है। अब तक जिन कवियों की कविताओं को कवि सम्मेलनों में ठुकराया जा रहा था, उन कवियों के भाग्योदय का समय आ गया है। कुछ युवा कवि जो चांद-तारों के उस पार जाना चाहते है, उन्हें भी अपनी पहली कविता रचने का सुनहरा अवसर मिलेगा। लंदन में पोएम फार्मेसी की स्थापना के पश्चात प्रताड़ित कवियों और प्रताड़ित मानसिक रूप से ग्रसित बुजुर्गों के लिए यह स्वर्णिम काल जैसा है। जिन बुजुर्गों के पैर अब तक कब्र में लटके हुए थे, इस पोएम फार्मेसी की स्थापना के बाद उन्होंने भी अपने पैरों को वहां से सिमेटना प्रारंभ कर दिया है। वे भी अब मिर्जा गालिब और दाग देहलवी की शायरी को पढ़ने लगे हैं। उनके जीवन में भी एक अद्भुत प्रभात का उदय हो रहा है।

उनकी कविताओं से मानसिक रोगी ठीक हो रहे हैं। समाज द्वारा प्रताड़ित दो महान हस्तियों को पोएम फार्मेसी की स्थापना से संजीवनी मिलने लगी है। इन दोनों वर्ग के विशेष व्यक्तियों की चिंताएं छूमंतर हो रही हैं, कवियों की कविताएं जहां कालजयी हो रही हैं, वहीं मानसिक रोगियों की हालत शनैः शनैः ठीक भी हो रही है। जो कार्य दुनिया के मनोचिकित्सक और वार्ध्यक्य-जीवन विभाग के चिकित्सक नहीं कर सके उस कार्य को चांद-तारों के उस पार जाने वाले कवियों ने सहज रूप से कर दिया है। पोएम फार्मेसी के अद्भुत चमत्कारों से प्रभावित होकर मेरे पड़ोस में रहने वाले साहित्य जगत द्वारा प्रताड़ित मेरे मित्र और कवि मंगतूराम इठलाते, बलखाते, और हंसते हुए मेरे घर आया। उसके चेहरे पर अद्भुत प्रसन्नता छाई हुए थी।

उनके चेहरे की प्रसन्नता को देखकर मैंने कहा-महामना, मंगतूराम इतने प्रसन्नचित्त कैसे? क्या तुम्हें राष्ट्रकवि का दर्जा मिल गया है? वह बोला-तुम्हें मालूम नहीं आजकल लंदन स्थित पोएम फार्मेसी में मेरी कविताओं ने धूम मचा दी है। मैंने कहा-मंगतूराम यह चमत्कार कैसे हुआ? वह बोला-मेरे एक मित्र जो मेरे पड़ोसी भी हैं, इन दिनों किसी काम से लंदन गए हुए हैं, उनके पास मेरी एक किताब थी। जब उन्हें यह पता लगा कि लंदन में पोएम फार्मेसी खुली है तो वहां जाकर उन्होंने मेरी किताब की कुछ कविताएं सुनाईं। बस, यही राज है मेरी खुशी का। सब दिन होत न एक समान। सौ दिन सुनार के तो एक दिन लोहार का भी आता है। भले ही इस देश में मेरे जैसे कवियों की कद्र न हो, किंतु विदेशी लोग कलम की ताकत की परख कर ही लेते हैं। मैंने कहा-बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद। इस समय हमारा देश कविता में कतई उत्सुक नहीं है। मैंने सुना है, तुम्हारा पासपोर्ट बना हुआ है, लंदन जाने के लिए वीजा की व्यवस्था कर लो। किसी दिन लंदन की पोएम फार्मेसी में बैठकर कविता पाठ करना वहां के बुजुर्ग बड़े धनवान हैं। विश्वकवि का दर्जा तो शायद वे तुम्हें न दिला सके किंतु भेंट-उपहार के नाम पर तुम्हें मालामाल अवश्य कर देंगे।

नजरिया

जनजातीय संस्कृति को सहेजने की जरूरत

अरविंद जयतिलक

आज जनजातीय गौरव दिवस है। वर्ष 2021 में केंद्र सरकार ने महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रुप में घोषित किया। बिरसा मुंडा भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के जनजातीय विद्रोहों और क्रांति के प्रतीक के रुप में पूजे जाते हैं। उन्होंने जनजातीय समाज को राष्ट्र की स्वतंत्रता के साथ-साथ जनजातीय लोकसंस्कृति के प्रति दृढ़ निष्ठावान रहने को प्रेरित किया। आज देश आजाद है लेकिन जनजातीय संस्कृति और लोकपरंपरा संक्रमण के दौर से गुजर रही हैं। बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब जनजातीय संस्कृति को सहेजने और संवारने की ईमानदार पहल होगी। देश के पूर्वोत्तर राज्य असम, मणिपुर, मेघालय अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा के साथ झारखंड, बंगाल, बिहार और उड़ीसा अपनी विशिष्ट संस्कृति, परंपरा व जीवंतता के लिए सुविख्यात हैं। इनकी लोकपरंपरा, लोकरंग और जीवन माधुर्य भारतीयता के माथे पर रत्नजड़ित मुकुट है। ये राज्य जनजाति प्रधान हैं और इनकी विशिष्ट सांस्कृतिक परंपरा भारत राष्ट्र की विविधता के विभिन्न आयामों का प्रतिनिधित्व करता है।

इन राज्यों में खासी, गारो, सूमी, कुकी, देवरी, भूटिया, बोडो, अंगामी और अपतानी जजजातियां विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं जो अपने सांस्कृतिक मूल्यों का आज भी निर्वहन करते हैं। इन जनजातियों की भाषा, कला, परंपरा, और त्यौहार मानवीय मूल्यों समृद्ध, उदात्त और प्रकृति के सापेक्ष और एकरसता से परिपूर्ण हैं। इस समवेत क्षेत्र में 200 से अधिक भाषाएं एवं उपभाषाएं बोली जाती हैं और चार सैकड़ा से अधिक जनजातीय समुदाय इस पूर्वोत्तर के उपवन को गुलजार करते हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो भारत के कुल क्षेत्रफल का तकरीबन 8 से 10 प्रतिशत वाला यह क्षेत्र इतना वैविध्यपूर्ण और छटाओं से भरपूर है कि अगर इसे भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक प्रयोगशाला कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी।

यह भूमि जितना सहज व सुंदर हैं उतना ही धर्म व आध्यात्म से परिपूर्ण मानवतावादी भी। इस क्षेत्र के आध्यात्मिक वातावरण में आज भी श्रीमंत शंकरदेव की आध्यात्मिक पूंजी, राधाकिशोरपुर की देवी त्रिपुर सुंदरी की पवित्रता, परशुरामकुंड की निर्मलता, मां कामाख्या के प्रति समर्पण का अद्वितीय भाव और श्रीकृष्ण के पौत्र अनिरुद्ध और बाणासुर की पुत्री उषा का निश्छल प्रेमभाव लोगों के हृदय को झंकारित करता है। यहां के जनजातीय समुदाय के लोगों का मौलिक धर्म प्रकृतिपूजा है। जनजातीय समुदाय आज भी पारंपरिक विधि व निषेध का

जनजातीय समुदाय के लोगों का मौलिक धर्म प्रकृति पूजा है। वह आज भी पारंपरिक विधि व निषेध का दृढ़ता व सहजता से पालन करते हैं। उसका मूल कारण अपनी संस्कृति के प्रति निष्ठा और विश्वास है। पूर्वोत्तर में पर आधुनिकता का विकृत रूप असर नहीं छोड़ पाया है।

दृढ़ता व सहजता से पालन करते हैं। उसका मूल कारण अपनी सांस्कृतिक के प्रति अदम्य निष्ठा और विश्वास है। यहीं कारण है कि अन्य राज्यों की तरह आज भी पूर्वोत्तर में पर आधुनिकता का विकृत रुप अपना असर नहीं छोड़ पाया है। यहां अब भी लोक संगीत ही जीवन को रसों से सराबोर करती है। जनजातीय समाज की लोकसंस्कृति में परंपरा और स्थानीयता का मूलभाव रचा बसा है। इसमें लोकगीत, मिथक, उत्सव और त्यौहार उनकी अंतश्चेतना के लय, सूर व ताल को जोड़ता है। यह जुड़ाव न सिर्फ जनजातीय समुदाय की कलात्मक जीवन शैली की विविधता को निरुपित करता है बल्कि इससे भारत राष्ट्र की चारित्रिक विविधता को भी निरूपित करता है। पूर्वोत्तर भारत की जनजातीय कला व शिल्प अद्वितीय और अलौकिक प्रतिमानों से भरपूर है। कालीन बनाना, मुखौटे गढ़ना, पेंट किए गए लकड़ी के पात्र बनाना, बांस और बेंत की अद्भुत कलाकारी, मजबूत कांसे की कटोरियां, कानों की बालियां, हार, बाजूबंद, संगीत वाद्य और लकड़ी की नक्काशी का काम इनकी दिनचर्या का हिस्सा है। यह कार्य इनका आर्थिक उपार्जन के साथ-साथ पूर्वोत्तर की अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। पर एक तथ्य यह भी कि आधुनिकता के बढ़ते तेज प्रवाह से अब जनजातीय समुदाय भी अछूता नहीं रहा। इसका सकारात्मक और नकारात्मक असर दोनों दिख रहा है। सकारात्मक असर यह है कि जनजातीय समाज मुख्य धारा के साथ जुड़ रहा है वहीं नकारात्मक असर यह कि वह अपनी संस्कृति के मूलतत्वों से दूर हो रहा है। नतीजा यह कि उनमें परसंस्कृति ग्रहण तेज हुआ है जिसके कारण वह दोराहे पर है। न तो वह अपनी संस्कृति बचा पा रहा है और न ही आधुनिकता से लैस होकर राष्ट्र की मुख्य धारा में मजबूत सहभागिता की दिशा में पूरी शिद्दत से शामिल हो रहा है। इस बीच की स्थिति से उसकी सभ्यता और संस्कृति दोनों दांव पर है। विचार करें तो यह सब कुछ उनके जीवन में बाहरी हस्तक्षेप के कारण हो रहा है। यह तथ्य है कि भारत में ब्रिटिश शासन के समय सबसे पहले जनजातियों के सांस्कृतिक जीवन में हस्तक्षेप की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। ईसाई मिशनरियों ने जनजातयी समुदाय में पहले हिन्दू धर्म के प्रति तिरस्कार और घृणा की भावना पैदा की और फिर उसके बाद उन्हें ईसाई धर्म ग्रहण करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके लिए उन्होंने लालच को अपना हथियार बनाया। नतीजा बड़े पैमाने पर जनजातीय समुदाय का धर्म परिवर्तन शुरू हो गया। लेकिन धर्म परिवर्तन के बाद भी उनके जीवन में आमूलचुल परिवर्तन होता नहीं दिखा। ईसाईयत न तो उनकी गरीबी कम कर पायी और न ही उन्हें इतना सशक्त और शिक्षित बनाया कि वे स्वावलंबी होकर अपने समाज का भला कर सकें। हां, इतना जरुर हो गया कि अब उनके लिए अपनी संस्कृति के मूलतत्वों को सहेजना मुश्किल और चुनौतीपूर्ण हो गया है। जनजातीय समूहों में उनकी परंपरागत भाषा से संबधित सांस्कृतिक मूल्यों और आदर्श नियमों का क्षरण होने से आज जनजातीय समुदाय संक्रमण के दौर से गुजर रहा है।

सार संक्षेप

वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ 9 मैच खेलेगी महिला टीम

मुंबई : टी-20 वर्ल्ड कप के बाद भारतीय महिला टीम के लिए बीसीसीआई ने 2 और टीमों से सीरीज रख दी है। टीम अब दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ और अगले साल जनवरी में आयरलैंड के खिलाफ व्हाइट बॉल की सीरीज खेलेगी। भारत ने इससे पहले टी-20 वर्ल्ड चैंपियन न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे की सीरीज 2-1 से जीती थी। वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ 9 मुकाबले 15 दिसंबर से शुरू हो कर 15 जनवरी तक चलेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों फॉर्मेट की सीरीज इंडिया विमेंस टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे और 3 टी-20 की सीरीज खेलनी है। 15, 17 और 19 दिसंबर को 3 टी-20 नवी मुंबई में होंगे। सभी मैच शाम 7 बजे से शुरू होंगे। वहीं 22, 24 और 27 दिसंबर को 3 वनडे बड़ोदा में होंगे। 2 मैच दोपहर 1:30 बजे शुरू होंगे, वहीं आखिरी मैच सुबह 9:30 बजे शुरू हो जाएगा। वेस्टइंडीज के बाद टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ 3 वनडे खेलेगी। तीनों मुकाबले राजकोट में दोपहर 11 बजे से शुरू होंगे। मैच 10, 12 और 15 जनवरी को खेले जाएंगे। टीम इंडिया महिला टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज को पार नहीं कर सकी। टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। जिसके बाद टीम सेमीफाइनल में भी एंट्री नहीं कर सकी। टूर्नामेंट के बाद भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में 3 वनडे खेले। सीरीज 2-1 से भारत के नाम रही।

लगातार चौथी जीत के साथ अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंचा हरियाणा स्टीलर्स

नोएडा : हरियाणा स्टीलर्स खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वे सीजन के 52वें मैच में पटना पाइरेट्स को 37-32 से हराते हुए अंक तालिका के शीर्ष पर काबिज हो गया है। हरियाणा को नौ मैचों में सातवीं और लगातार चौथी जीत मिली है जबकि पटना को नौ मैचों में चौथी हार मिली है। यहां नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में हरियाणा की जीत में विनय (6), शिवम पटारे (5), मोहम्मदरेजा शादलू (6), राहुल सेतपाल (हाई-5) का योगदान रहा जबकि पटना के लिए देवांक और अयान ने 7-7 अंक लिए। डिफेंस में पटना कुछ खास नहीं कर सकी। रेडरों ने पटना को एक समय बेहतरीन वापसी कराई थी लेकिन फिर उसने ग्रिप खो दिया। बहरहाल, तीन मिनट में पटना 2-1 से आगे थे लेकिन विनय ने डू ओर डाई रेड पर दो अंक लेकर हरियाणा को 3-2 से आगे कर दिया। साथ ही उन्होंने शादलू को भी रिवाइव कराया लेकिन अगली रेड पर देवांक ने शादलू को फिर बाहर कर स्कोर बराबर कर दिया। सेतपाल ने हालांकि इसके बाद अयान और देवांक को बाहर कर हरियाणा को 7-4 से आगे कर दिया।

सूर्यकुमार यादव ने अपने खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की

सेंचुरियन : भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि हमने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में आक्रामक प्रदर्शन का परिचय दिया है और इस जीत से मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने तिलक वर्मा की शानदार शतकीय पारी के लिए सराहना करते हुए कहा कि अवसर को भुनाते हुए तिलक ने खुद को साबित किया। सेंचुरियन मैच जीतने के बाद पत्रकारों से बातचीत में सूर्यकुमार ने कहा कि आज और परसों टीम बैठक में जो हमने चर्चा की हमने उसे अमली जामा पहनाया। मैं खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेदह खुश हूं। हमने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में आक्रामक शैली का परिचय दिया। उन्होंने खुलासा किया कि पिछले मैच के बाद ही तिलक ने मेरे से आकर बात की थी कि उन्हें नंबर तीन पर मौका चाहिए और मैंने भी सोचा कि उन्हें मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह (तिलक वर्मा) गकेबरहा में मैच समाप्त होने के बाद मेरे कमरे में आए थे और कहा कि मुझे तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करने का मौका दीजिए। मैं टीम में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैंने कहा जाओ और खुद को साबित करो। उसने जो कहा था वह कर दिखाया है। उनके और उनके परिवार के लिए आज बहुत खुशी का दिन है। प्लेयर ऑफ द मैच चुने गये तिलक वर्मा ने कहा कि मेरे पास शब्द नहीं हैं, यह सीरीज के लिहाज से भी अहम मैच था इसलिए ऐसी पारी खेलकर मैं खुश हूं। इसका पूरा श्रेय कप्तान सूर्यकुमार यादव को जाता है।

अंडर-19 एशिया कप : अमान को भारतीय टीम की कमान

जनपद के क्रिकेट खिलाड़ियों खेल प्रेमियों में खुशी की लहर

सहारनपुर : 29 नवंबर से यूएई में होने वाले अंडर-19 एशिया कप के लिए सहारनपुर के मोहम्मद अमान को एक बार फिर भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान बनाया गया है। मोहम्मद अमान की इस उपलब्धि पर जनपद के क्रिकेट खिलाड़ियों खेल प्रेमियों और एसडीसीए पदाधिकारीयों ने हर्ष जताया है। गुरुवार को सहारनपुर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने बताया कि महानगर के मोहल्ला खान आलमपुरा निवासी मोहम्मद अमान को 29 नवंबर से यूएई में होने वाले अंडर 19 एशिया कप के लिए एक बार फिर भारतीय क्रिकेट टीम की कमान सौंपी गई है। राजीव गुप्ता ने बताया कि एसडीसीए के चेयरमैन मोहम्मद अकरम के प्रयास से जिले की क्रिकेट और खिलाड़ी लगातार सफलता हासिल कर रहे हैं। इसी का परिणाम है कि मोहम्मद अमान जैसा गरीब परिवार का बेटा जिसके माता पिता का निधन हो चुका है उसे इंडिया टीम का कप्तान बनाया गया है। एसडीसीए के उपाध्यक्ष परविंदर सिंह ने कहा कि मोहम्मद अमान की इस कामयाबी से जिले के क्रिकेट का स्तर और ज्यादा ऊपर जाएगा। मोहम्मद अमान की उपलब्धि पर सहारनपुर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारीयों सचिव लतीफ उर्रहमान,कोषाध्यक्ष गोपाल कृष्ण कालरा,संरक्षक अमर गुप्ता,राज कुमार राजू, एपेक्स सदस्य साजिद उमर,मीडिया प्रभारी सैयद मशकूर,संयुक्त सचिव महेश शर्मा,भूपेंद्र कच्छल,सत्यम शर्मा,जीआईएस सचिव रवि सिंघल,योगेश गुप्ता,राकेश शर्मा,रणधीर कपूर, राजीव गोयल टप्पू,विक्रांत चौधरी, आमिर कुरैशी,विनय कुमार,अर्जुन चौहान, भावना तोमर, तनवीर खान, संजय विश्वकर्मा, शोएब अहमद, सचिन सैनी, पीयूष,राणा, रविश राठी, अर्जुन कुमार, राज शेखर, राव मुजीब, अक्षय चौहान,आयुष चौधरी, प्रिंस पटेल,ललित पंवार व मृदुल गर्ग आदि ने हर्ष जताया और शुभकामनाएं दी।

मणिपुर,हरियाणा,ओडिशा और उत्तर प्रदेश सेमीफाइनल में

चेन्नई, 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के 10वें दिन खेले गये क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में मणिपुर, हरियाणा, ओडिशा और उत्तर प्रदेश ने अपने-अपने मुकाबलों में दर्ज कर कर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। यहां चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में मणिपुर ने पंजाब को 3-3 से मुकाबला बराबर रहने पर हुए शूट आउट में (4-3) से हराया। दोनों टीमें निर्धारित समय तक 3-3 से बराबरी पर रहीं। मणिपुर हॉकी के लिए सिरिल लगुन ने (14वें, 36वें और 51वें) मिनट में गोल कर हैट्रिक बनाई। पंजाब के लिए रवनीत सिंह ने (24वें और 59वें) मिनट में तथा मनिंदर सिंह ने (18वें) मिनट में गोल किए। इसके बाद हुए शूटआउट में मणिपुर के गोलकीपर हेमम धनराज सिंह ने दो महत्वपूर्ण बचाव किए। वहीं नीलकांत शर्मा ने दो, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह और खादंगबाम कोथाजीत सिंह ने एक-एक गोल दागे और मणिपुर हॉकी को जीत दिलाई। दूसरे क्वार्टर फाइनल में हरियाणा ने महाराष्ट्र को 5-1 से हराया। अनिकेत गौरव ने (12वें) मिनट में गोल कर महाराष्ट्र को बढ़त दिलाई।

शमी ने की जोरदार वापसी

एक साल बाद खेला क्रिकेट, रणजी मैच में दूसरे दिन मध्यप्रदेश के खिलाफ चार विकेट झटके, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकते हैं

● इंदौर,

करीब एक साल बाद क्रिकेट में वापसी कर रहे भारतीय गेंदबाज मोहम्मद शमी ने रणजी ट्रॉफी मैच में मध्य प्रदेश के चार विकेट चटका दिए हैं। इससे उनके ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

गुरुवार को मुकाबले के दूसरे दिन मध्यप्रदेश की टीम पहली पारी में 167 रन पर ऑलआउट हो गई है। मोहम्मद शमी ने 19 ओवर की गेंदबाजी में 4 मेडन सहित 54 रन देकर 4 विकेट झटके। उन्होंने कप्तान शुभम शर्मा (8 रन), सारांश जैन (7 रन), कुमार कार्तिकेय (9 रन) और कुलवंत खेजरोलिया (शून्य) के विकेट लिए। एक दिन पहले शमी को कोई विकेट नहीं मिला था। मध्यप्रदेश की ओर से सुभ्रांशु सेनापति ने 47 और रजत पाटीदार ने 41 रनों की पारी खेली। शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सके। मुकाबले में बंगाल की टीम पहली पारी में 228 रन पर ऑलआउट हुई थी। मोहम्मद शमी ने मैच के पहले दिन 10 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। मोहम्मद शमी की वापसी ऑस्ट्रेलिया में 22 नवंबर से शुरू हो रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिहाज से अहम है। वहां टीम इंडिया 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने जा रही है। ऐसे में शमी अपनी फिटनेस साबित करने के लिए यह मुकाबला खेल रहे हैं। अगर शमी अपने प्रदर्शन से सिलेक्टर्स को प्रभावित कर लेते हैं तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बुलाया जा सकता है। एक दिन पहले भास्कर के सूत्रों ने बताया था कि उन्हें टीम मैनेजमेंट ने रणजी खेलने को कहा था। वहीं शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 नवंबर 2023 को वनडे वर्ल्ड कप फाइनल के रूप में आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। शमी ने इसी साल जनवरी में इंग्लैंड जाकर अपनी एंकल की सर्जरी कराई थी। उन्होंने पिछले कई महीने बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैबिलिटेशन किया। वह इंडिया की ओर से 64 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। शमी के नाम 229 टेस्ट विकेट हैं।

सिंधु के मिशेल ली से हार के साथ भारत का सफर समाप्त

● कुमामोटो,

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु के महिला एकल के राउंड ऑफ 16 में कनाडा की मिशेल ली से हार के साथ भारत का कुमामोटो मास्टर्स टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मुकाबले की शुरुआत अच्छी की, लेकिन अपनी लय को बनाए नहीं रख पाईं और उन्हें मिशेल ली से 21-17, 16-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। पहले गेम में सिंधु ने अपनी लंबाई का फायदा उठाकर आक्रामक खेल दिखाया और मिड-गेम ब्रेक तक चार अंकों की बढ़त बनाई। मिशेल ली ने इसे 15-13 के स्कोर से अंतर कम किया, लेकिन सिंधु ने जल्दी ही नियंत्रण वापस पाकर पहला गेम जीत लिया। कॉमनवेल्थ गेम्स की पूर्व चैंपियन मिशेल ली ने दूसरे गेम में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंधु को परेशान किया। सिंधु 8-3 से पीछे थीं लेकिन उन्होंने वापसी कर स्कोर 9-9 पर बराबर किया और हाफ टाइम के बाद भी मुकाबले में बनी रहीं। हालांकि, ली ने आखिरी आठ में से छह अंक जीतकर खेल को निर्णायक गेम तक खींचा। अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। हालांकि, 17-16 की बढ़त बनाने के बाद सिंधु लगातार पांच अंक गंवाकर मैच हार गईं और बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 स्पर्धा से बाहर हो गईं। यह सिंधु की मिशेल ली के खिलाफ 15 मुकाबलों में पांचवीं हार थी। पिछले साल से दोनों के बीच चार मुकाबलों में से तीन में पीवी सिंधु को हार का सामना करना पड़ा है।

बड़ौदा ने मेघालय को पारी और 261 रनों से हराया

महेश और निनाद राठवा की शानदार गेंदबाजी के दम पर जीता बड़ौदा

● विजयवाड़ा,

सलामी बल्लेबाज ज्योत्सनील सिंह (121) और शाश्वत रावत (121) की शतकीय पारियों के बाद ऑफ स्पिनर महेश पिथिया और निनाद राठवा की शानदार गेंदबाजी के दम पर बड़ौदा ने गुरुवार को रणजी ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में मेघालय को पारी और 261 रनों से हरा दिया है।

मेघालय ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बड़ौदा के स्पिनर महेश पिथिया ने 25 रन देकर छह विकेट लेकर घातक गेंदबाजी की। बल्लेबाजी करने उतरी मेघालय की टीम पूरी टीम 36.5 ओवर में महज 103 के स्कोर पर समेट गई। मेघालय की ओर से आकाश चौधरी ने सबसे अधिक (40) रन बनाये। उसके बाद अजय दुहान ने (20) और सुमित कुमार (12) रन बनाकर आउट हुए। शेष आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बड़ौदा के लिए महेश पिथिया ने छह, भार्गव भट्ट ने दो विकेट चटकाये। क्रुणाल पंड्या और निनाद राठवा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। उसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी बडौदा ने ज्योत्सनील सिंह (121) और शाश्वत रावत (121) रनों की शतकीय पारियों और मितेश पाटे (52) के अर्धशतक, शिवालिक शर्मा (42) और निनाद राठवा (नाबाद 33) के योगदान से 71.3 ओवर में 442 का बड़ा स्कोर खड़ा कर 339 रनों की बढ़त ले ली। मेघालय की ओर से बिजोन डे और दिप्पू संगमा ने तीन-तीन विकेट लिये। आकाश, आर्यन, अजय और अनिरुद्ध ने एक-एक विकेट लिया।

पहले टी-20 में जीता ऑस्ट्रेलिया

पाक को 29 रन से पहला टी-20 हराया, बारिश के कारण 7-7 ओवर का हुआ मैच

● ब्रिसबेन,

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच टी-20 सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण 7-7 ओवर का हुआ। ब्रिसबेन में गुरुवार को पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट खोकर 93 रन बनाए। पाकिस्तान 9 विकेट खोकर 64 रन ही बना सका।

ऑस्ट्रेलिया से नाथन एलिस और जैवियर बार्टलेट ने 3-3 विकेट लिए। ग्लेन मैक्सवेल ने 19 गेंद पर 43 और मार्कस स्टोयनिस ने 7 गेंद पर 21 रन बनाए। पाकिस्तान से अब्बास अफरीदी ने 2 विकेट लिए। पहला टी-20 जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा मैच 16 नवंबर को सिडनी में खेला जाएगा। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम ने पहले ओवर में 16 रन बना दिए। जैक फ्रेजर-मैगर्क 9 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद उतरे ग्लेन मैक्सवेल ने तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी रिवर्स स्वीप लगाए। उन्होंने टी-20 क्रिकेट में 10 हजार रन भी पूरे कर लिए। ग्लेन मैक्सवेल ने 43 रन बनाए। पावरप्ले के 2 ओवरों में 33 रन बनाने के बाद भी ऑस्ट्रेलिया ने तेजी से रन बनाए। मैथ्यू शॉर्ट 7 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन मैक्सवेल ने 19 गेंद पर 5 चौके और 3 छक्के लगाकर 43 रन बना दिए। उनके बाद टिम डेविड ने 10 और स्टोयनिस ने 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने 4 ही विकेट गंवाकर 7 ओवर में 93 रन बना दिए। पाकिस्तान से अब्बास अफरीदी ने 2 विकेट लिए। 1-1 विकेट नसीम शाह और हारिस रऊफ को मिला।

पाकिस्तान ने 94 रन के टारगेट के सामने शुरूआती 2 गेंदों पर चौके लगाए। इस ओवर में स्पेंसर जॉनसन ने शाहिबजादा फरहान को कैच आउट करा दिया। फरहान ने 8 रन बनाए। उनके बाद बाबर आजम 3, उस्मान खान 4, आगा सलमान 4 और हसीबुल्लाह खान 12 रन बनाकर आउट हो गए।

टीम इंडिया ने पर्थ में शुरू की प्रैक्टिस

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी स से पहले कोहली-बुमराह ने नेट में बहाया पसीना

● पर्थ,

टीम इंडिया ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले पर्थ में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय खिलाड़ियों की फोटोज-वीडियो पोस्ट किए जिसमें वे प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लेते दिख रहे हैं। पांच मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। इससे पहले, टीम सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुई थी।

सभी खिलाड़ियों ने नेट सेशन में हिस्सा लिया भारतीय टीम ने गुरुवार को ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लिया। इस दौरान टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, टीम के उपकप्तान जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा समेत सभी खिलाड़ी शामिल हुए। भारतीय बल्लेबाज-विकेटकीपर ऋषभ पंत की यह फोटो बीसीसीआई ने 13 नवंबर को ट्वीट की थी। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया में एक टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। उन्होंने बीसीसीआई को इन्फॉर्म किया है कि निजी कारणों के चलते उनका शुरूआती 2 में से किसी एक टेस्ट में खेलना मुश्किल है। रोहित इसलिए अब तक ऑस्ट्रेलिया भी नहीं पहुंचे हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 साइकल में भारत की आखिरी टेस्ट सीरीज अब ऑस्ट्रेलिया से ही बाकी है। भारत ने 3-2 से सीरीज जीत भी ली तो भी टीम फाइनल में नहीं पहुंच पाएगी। 4 टेस्ट जीतकर ही टीम बगैर किसी पर निर्भर हुए फाइनल में जगह बना सकेगी। इस लिहाज से भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत को पिछली 4 सीरीज से हरा नहीं पाई है। टीम को पिछली जीत 2014-15 के सीजन में मिली थी। तब स्टीव स्मिथ की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को 2-0 से हराया था।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने थाईलैंड को 13-0 से रौंदा

● राजगीर,

भारतीय महिला हॉकी टीम ने गुरुवार बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 के तीसरे ग्रुप चरण के मैच में थाईलैंड को 13-0 से हराया।

यहां राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में भारत की ओर से दीपिका ने (तीसरे, 19वें, 43वें, 45वें, 45+वें), प्रीति दुबे ने (नौवें, 40वें), लालरेमसियामी ने (12वें, 56वें) और ब्यूटी डुंगडुंग ने (30वें), नवनीत कौर ने (53वें) और मनीषा चौहान ने (55वें, 58वें) मिनट में गोल किए। आज के मुकाबले में लालरेमसियामी ने अपने 150 मैच खेलने का महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया। वहीं प्रीति दुबे ने अपने 50 मैच पूरे किये। भारत ने पहले क्वार्टर में शानदार प्रदर्शन किया। दीपिका ने पहला मौका भुनाते हुए तीसरे मिनट में गोल दाग कर भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद अपना 50वां मैच खेल रही प्रीति देबे गोल में आसान पुश देकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। लालरेमसियामी इसी क्वार्टर के 12वें मिनट में अपना गोल किया। दूसरे क्वार्टर में दीपिका ने 19वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा। ब्युटी ने मध्यांतर से ठीक पहले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को 5-0 से आगे किया। प्रीति ने भी 40वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा जबकि इसके कुछ मिनट बाद दीपिका ने भी पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया। दीपिका ने इसके बाद दो मिनट में दो गोल दागकर भारत को तीसरे क्वार्टर के बाद 9-0 से आगे कर दिया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में नवनीत ने रिवर्स हिट से भारत का 10वां गोल दागा जबकि पांच मिनट बाद मनीषा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)